INS ACCREDITED

यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-147 | सांध्य दैनिक | मथुरा, गुरुवार, 23 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

मथुरा में बनेंगे 14 ईवी चार्जिंग स्टेशन, पंजीकरण शुल्क से होगा निर्माण

पंजीकरण शुल्क की आय से विकसित होगा हरित परिवहन ढांचा

नगर निगम ने ईवी सुविधाओं के विस्तार की बनाई योजना

योजना की प्रमुख बातें

- 14 नए ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।
- निर्माण पंजीकरण शुल्क से प्राप्त धनराशि से होगा।
- इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने पर रहेगा फोकस।
- प्रदूषण कम करने और हरित परिवहन को मिलेगा बल।

यूनिक समय, मथुरा। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने और प्रदूषण कम करने की दिशा में मथुरा-वृंदावन नगर निगम ने 14 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी है। इनका निर्माण पंजीकरण शुल्क से प्राप्त धनराशि से कराया जाएगा। शहर के प्रमुख स्थानों पर चार्जिंग सुविधाएं विकसित करने की योजना है। इन स्टेशनों के संचालन-रखरखाव के लिए 10 वर्ष का अनुबंध होगा, जबकि सरकारी भूमि पर स्थापित होने वाले चार्जिंग स्टेशनों का उपयोग केवल ईवी चार्जिंग के लिए ही होगा।

शहर में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मथुरा-वृंदावन नगर निगम चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना पर काम कर रहा है। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि चार्जिंग स्टेशन ऐसे स्थानों पर विकसित किए जाएंगे, जहां लोगों की आवाजाही अधिक रहती है और ईवी चालकों को आसानी से सुविधा मिल सके। हालांकि, स्टेशनों के लिए अंतिम स्थानों की सूची अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

वर्तमान में शहर में इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग लगातार बढ़ रहा है, लेकिन चार्जिंग सुविधाओं की कमी के कारण वाहन चालकों को कई बार असुविधा का सामना करना पड़ता है। नई परियोजना पूरी होने के बाद चार्जिंग नेटवर्क मजबूत होगा और लोगों का रुझान इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बढ़ने की उम्मीद है। नगर निगम का मानना है कि इस पहल से पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता कम होगी, वायु प्रदूषण में कमी आएगी और स्वच्छ और हरित परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। यह योजना केंद्र और प्रदेश सरकार की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी नीति के अनुरूप भी मानी जा रही है।

योजना से जुड़े जानकारों का कहना है कि यह ईवी चार्जिंग स्टेशन सरकारी जमीन पर ही स्थापित होंगे, इसके लिए वृंदावन, मथुरा शहर के अलावा हाईवे पर जमीन चिन्हित करने का काम चल रहा है। प्रदेश सरकार ने भी इस परियोजना को स्वीकृति दे दी है। संबंधित विभागों से भूमि उपयोग के बदले एक रुपये प्रति किलोवाट की दर से शुल्क लिया जाएगा। वहीं, शहर में 50 नई इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की तैयारियां भी जारी हैं। इनके लिए आवश्यक चार्जिंग अवसंरचना विकसित करने की प्रक्रिया अलग से चल रही है।

आस्था के पग बढ़े, सप्तकोसी परिक्रमा पथ हुआ गुलजार

राधाकुंड परिक्रमा मार्ग में सजी कंठी-माला की दुकान।

मुड़िया पूर्णिमा से पहले गोवर्धन पहुंचने लगे सैंकडों श्रद्धालु

माला-कंठी, पूजन सामग्री, प्रसाद की दुकानों पर बढ़ी रौनक

यूनिक समय, गोवर्धन। मुड़िया पूर्णिमा महापर्व से पहले गोवर्धन की सप्तकोसी परिक्रमा के पथ पर आस्था का सैलाब धीरे-धीरे उमड़ने लगा है। देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु गोवर्धन पहुंच रहे हैं और गिरिराज महाराज की परिक्रमा कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। पर्व के नजदीक आते ही परिक्रमा मार्ग पर धार्मिक माहौल और अधिक जीवंत हो गया है। जय गिरिराज महाराज और राधे-राधे के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूबा हुआ है। परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दुकानदारों ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। माला, कंठी, तुलसी की मालाएं, पूजन सामग्री, प्रसाद, चुनरी, धार्मिक पुस्तकें और स्मृति चिन्ह बेचने वाली दुकानें पूरी तरह सज चुकी हैं। सुबह से रात तक श्रद्धालु इन दुकानों पर खरीदारी करते नजर आ रहे हैं। स्थानीय व्यापारियों को उम्मीद है कि मुड़िया पूर्णिमा के मुख्य दिनों में कारोबार कई गुना बढ़ जाएगा। गोवर्धन के प्रमुख मंदिरों और परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं की संख्या प्रतिदिन बढ़ रही है। कई श्रद्धालु दंडवत परिक्रमा कर अपनी श्रद्धा व्यक्त कर रहे हैं, जबकि बड़ी संख्या में परिवार और युवा समूह भी पैदल परिक्रमा कर रहे हैं। जगह-जगह भजन-कीर्तन, भंडारे और पेयजल की व्यवस्था भी शुरू हो गई है, जिससे श्रद्धालुओं को सुविधा मिल रही है।

प्रशासन और मेला से जुड़े अधिकारी भी लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन को लेकर संबंधित विभाग सक्रिय हैं। परिक्रमा मार्ग पर पुलिस बल और स्वयंसेवकों की तैनाती बढ़ा दी गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जैसे-जैसे मुड़िया पूर्णिमा निकट आएगी, श्रद्धालुओं की संख्या में कई गुना वृद्धि होगी। ऐसे में गोवर्धन एक बार फिर आस्था, भक्ति और सेवा का विराट केंद्र बनकर देशभर से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

24 घंटे बंद रहेंगी गोवर्धन क्षेत्र की शराब और भांग की दुकानें

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया मेले के दौरान कानून-व्यवस्था-शांति बनाए रखने के लिए जिला मजिस्ट्रेट-लाइसेंस प्राधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने गोवर्धन नगर पंचायत और राधाकुंड नगर पंचायत के सीमावर्ती क्षेत्रों में संचालित आबकारी दुकानों को 24 घंटे बंद रखने के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार 28 जुलाई को शाम 5 बजे से 29 जुलाई को शाम 5 बजे तक इन क्षेत्रों की सभी संबंधित देशी मदिरा, कम्पोजिट, मॉडल शॉप और भांग की दुकानें पूर्णतः बंद रहेंगी। बंद रहने वाली दुकानों में देशी मदिरा की दुकानें गोवर्धन, गोवर्धन-डीग रोड, सकीतरा और राधाकुंड तिराहा शामिल हैं। इसके अलावा कम्पोजिट दुकानें सकीतरा, गोवर्धन-डीग रोड, राधाकुंड तिराहा और सौंख रोड (गोवर्धन), भांग की दुकानें सकीतरा, जतीपुरा, सौंख रोड (गोवर्धन) और राधाकुंड और मॉडल शॉप गोवर्धन भी निर्धारित अवधि तक बंद रहेंगी।

जनधन योजनाओं से ग्रामीण बैंकिंग को मिली मजबूती

गांवों की बैंक बचत बढ़ी, शहरों की रफ्तार घटी

शेयर बाजार में निवेश ने बदली बचत की दिशा

ग्रामीण भारत बना बैंक जमा का नया केंद्र

यूनिक समय, मथुरा। देश में बैंक जमा (डिपॉजिट) का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार पिछले चार वर्षों में गांवों और छोटे कस्बों में बैंक जमा में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि बड़े शहरों में इसकी रफ्तार धीमी पड़ गई है। मार्च 2022 से मार्च 2026 के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक जमा करीब 41 प्रतिशत बढ़ा। अर्ध-शहरी क्षेत्रों में 20 प्रतिशत और महानगरों में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि छोटे और मध्यम शहरों वाले शहरी क्षेत्रों में जमा वृद्धि लगभग 11 प्रतिशत घट गई।

रिपोर्ट के अनुसार, जनधन योजना, महिलाओं के लिए चलाई जा रही सरकारी योजनाएं और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) ने ग्रामीण बैंकिंग को नई मजबूती दी है। देश के 58 करोड़ जनधन खातों में से लगभग 45 करोड़ खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी शाखाओं में संचालित हो रहे हैं। यही कारण है कि गांव और छोटे कस्बे अब बैंक जमा के प्रमुख केंद्र बनते जा रहे हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कुल बैंक जमा में परिवारों की हिस्सेदारी 2021-22 के 62.6 प्रतिशत से घटकर 2025-26 में 59.3 प्रतिशत रह गई है। वहीं ट्रस्ट, सोसाइटी, स्कूल और अन्य गैर-वित्तीय संस्थाओं की हिस्सेदारी बढ़ी है।

एसबीआई रिसर्च के मुताबिक, परिवार अब पारंपरिक बैंक जमा के साथ-साथ शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड और डिबेंचर जैसे निवेश विकल्पों की ओर भी तेजी से बढ़ रहे हैं। वर्ष 2022-23 में इन माध्यमों में करीब 1.8 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ था, जो 2024-25 में बढ़कर 9.9 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इससे स्पष्ट है कि निवेश की बदलती आदतों के बावजूद ग्रामीण भारत बैंकिंग व्यवस्था का सबसे मजबूत आधार बनकर उभर रहा है।

वृंदावन में गुरु पूर्णिमा की तैयारियां

आश्रमों में सज रही हैं गुरु की गद्दी

विद्युत की रंग बिरंगी रोशनी से जगमग होंगे आश्रम

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। 29 जुलाई को गुरू पूर्णिमा मनाए जाने की तैयारियां होने लगी हैं। आश्रमों में गुरुजी की गद्दी को सजाने की तैयारी पूरी की जा रही है। आने वाले शिष्यों का खाना खिलाने के लिए कारीगरों को भी जिम्मेदारी दे दी गई।

वैसे गोवर्धन मुड़िया पूर्णिमा मेला आज से प्रारंभ हो गया है। असल में गिरिराजजी के भक्तों की भीड़ 25 जुलाई से आना शुरु होगा। उस दिन देवशयन एकादशी है, फिर उनका आगमन 29 जुलाई तक रहेगा। 29 और 30 जुलाई की रात्रि को तो गोवर्धन में जन समुद्र सा उमड़ेगा।

गिरिराज परिक्रमा लगाने के बाद भक्त अपने गुरु स्थानों की ओर रवाना होंगे। अधिकांश शिष्यों के गुरु स्थान वृंदावन में हैं। पांच दिन तक वृंदावन में भी भक्तों की आवाजाही बनी रहेगी। शिष्यों के आवागमन को देखते हुए मंदिरों की नगरी में बने आश्रमों के अंदर गुरुजी की गद्दी को सजाया संवारा जाना शुरु हो गया है। सभी शिष्य अपने–अपने गुरुजी की पूजा अर्चना कर चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेंगे। आश्रमों में शिष्यों के ठहरने के लिए व्यवस्था की गई है।

वृंदावन में संत प्रेमानंद से गुरु दीक्षा लेने के लिए आने वाले विभिन्न प्रांतों के शिष्यों के लिए अलग–अलग तिथि तय कर दी गई है। इसी तरह से महावन रमणरेती आश्रम में कार्ष्णि संत गुरुशरणानंद के यहां भी शिष्यों के लिए अलग–अलग तारीख तय की गई है।

वृंदावन में भी हर गली-मोहल्ले और प्रमुख मार्गों पर स्थित आश्रमों में गुरु पूर्णिमा की तैयारियों को अंतिम रुप दिया जा रहा है। कहीं गुब्बारों से तो कही फूलों से सजाया जा रहा है। विद्युत की रंग बिरंगी रोशनी से आश्रमों को जगमग किया जा रहा है।

मिठाई की भी अधिक बिक्री

यूनिक समय, वृंदावन। गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु का पूजन करने वाली थाली मिठाई भी होगी। इसलिए यहां मिठाई की दुकानों पर अतिरिक्त मिठाई बनाने के लिए कारीगर जुटे हुए हैं। आधा और एक किलो के डिब्बों की पैकिंग तैयार रखी जाएगी, जिससे दुकान पर आते ही ग्राहकों को मिठाई जल्द मिल जाएगी।

एकादशी को होगी वृंदावन की परिक्रमा

यूनिक समय, वृंदावन। देव शयन एकादशी को वृंदावन की परिक्रमा करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। नगर निगम ने परिक्रमा मार्ग की सफाई व्यवस्था सही करा दी, जिससे आने वाले परिक्रमार्थियों को कोई परेशानी न हो।

फूल और माला होंगी महंगी

यूनिक समय, वृंदावन। गुरु पूर्णिमा पर गुरु को माला पहनाना जरुरी होता है। इसलिए मंदिरों की नगरी के फूल बाजार को महंगाई डायन की नजर लग गई है। अभी से फूल और मालाओं की कीमत बढ़ती नजर आ रही है। गुरु पूर्णिमा वाले दिन तो कीमत दो या तीन गुनी होने की संभावना जताई जा रही है। यहां पानीगांव यमुना एक्सप्रेस वे मार्ग स्थित कृषि मंडी परिसर में हर रोज फूलों का बाजार लगता है। थोक फूल विक्रेता राजकुमार शर्मा युवराज का कहना है कि वृंदावन और आसपास फूलों की खेती कम होती है। गुरु पूर्णिमा को दिल्ली समेत अन्य शहरों से फूल मंगाए जाते हैं, तब जाकर पूर्ति हो पाती है।

फलों की कीमत अभी से बढ़ी

यूनिक समय, वृंदावन। गुरु पूर्णिमा पर आम, केला समेत अन्य फलों की मांग रहती है। हर शिष्य अपने गुरु स्थान पर फलों को लेकर जाना चाहता है। इसलिए वह फलों की खरीदारी करता है। यहां मंडी के अलावा प्रमुख चौराहों और तिराहों पर फलों से भरी ढकेल खड़ी हो जाएंगी। इन ढकेलों से शिष्य फल खरीदकर गुरु स्थान ले जाएंगे। फल विक्रेता महक सिंह का कहना है कि गुरु पूर्णिमा के दिन फलों की अच्छी खासी ब्रिकी होती है। आगरा और दिल्ली से फल मंगाए जाते हैं, तब जाकर फलों की पूर्ति पूरी की जाती है।

बाहर से आने वाले वाहन खड़े होंगे पार्किंग स्थलों पर

यूनिक समय, वृंदावन। पांच दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव में मंदिरों और गुरु स्थानों पर आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों की संख्या को देखते हुए यातायात पुलिस ने जाम से बचने के लिए वाहनों को वृंदावन में प्रवेश न देने का निर्णय लिया है। बाहर से आने वाले वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर खड़ा करा जाएगा।

पुलिस की भी होगी पैनी नजर

यूनिक समय, वृंदावन। पांच दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर आने वाले श्रद्धालुओं के बीच संदिग्ध लोगों पर पुलिस की पैनी नजर होगी। हर प्रमुख चौराहे और तिराहों के साथ–साथ मंदिरों पर पुलिस तैनात होगी। कई सादा कपड़ों में भी जवान तैनात किए जाएंगे।

जिला अस्पताल में हुई मॉकड्रिल

जिला अस्पताल में हुई मॉकड्रिल का दृश्य।

फायर ब्रिगेड ने आग लगने पर बचाव के बताए गुर

यूनिक समय, मथुरा। जिला अस्पताल में अगर आग लगने की घटना हो जाए तो उस पर किस तरह काबू पाने के प्रयास किए जाएं,मरीजों को किस तरह से आग से सुरक्षित बाहर निकाला जा सकता है। फायर ब्रिगेड ने जिला अस्पताल में मॉकड्रिल कर डॉक्टरों और स्टाफ को इस बारे में जानकारी दी।

फायर सेफटी ऑफीसर विनोद शर्मा फायर ब्रिगेड की गाड़ी और फायर ब्रिगेड टीम के साथ जिला अस्पताल पहुंचे। अस्पताल परिसर में आग लगने का सीन क्रिएट किया। इसे देख कर अस्पताल में इलाज के लिए आए मरीजों में हड़कंप मच गया। फायर सेफ्टी ऑफीसर ने डाक्टरों, नर्सो और स्टाफ और कर्मचारियों को बताया कि आग लगने की स्थिति में घबराने की कोई जरूरत नहीं है। पहले आग को बुझाने और मरीजों को बाहर निकालने की जरूरत है। मॉकड्रिल में बताया गया कि मरीजों को किस तरह और किस रास्ते से निकाला जाना चाहिए। इसके साथ ही आग बुझाने के लिए अस्पताल में लगे अग्निशमन यंत्र को चलाने का तरीका भी बताया गया। इसके साथ ही घटना के समय सभी विभागों के साथ किस तरह से तालमेल किया जाएगा। इस बारे में जिला अस्पताल के सीएमएस डॉक्टर नीरज अग्रवाल ने बताया कि अस्पताल में इस तरह का समय–समय पर अभ्यास कराया जाता है, जिससे डॉक्टर और कर्मचारी किसी भी आपात स्थिति में घबराएं नहीं और मरीजों की सुरक्षा बेहतर तरीके से कर सकें।

वर्षा भड़का गई उमस, दे गई जलभराव

कहीं भीगा तन, कहीं प्यासे रह गए मन

सर्विस रोड पर पानी भरने से हुआ हाल–बेहाल

26 के लिए जोरदार बारिश का जारी हुआ अलर्ट

यूनिक समय, मथुरा। गुरुवार को जिले में हुई रुक–रुककर वर्षा ने लोगों को गर्मी से पूरी तरह राहत नहीं दिलाई। बारिश के बाद उमस और बढ़ गई, जिससे दिनभर लोग बेचैनी महसूस करते रहे। जिले के कई हिस्सों में अच्छी बारिश हुई, जबकि कुछ क्षेत्रों में हल्की फुहारें पड़ने से लोग पर्याप्त बारिश का इंतजार करते रहे। दूसरी ओर किसानों को अभी भी अच्छी वर्षा की आस है। वहीं, हाइवे के सर्विस रोड पर जलभराव से लोगों के साथ वाहन चालकों को परेशानी हुई।

सुबह से मौसम बदलाव के संकेत दे रहा था। आसमान पर उमड़ते काले बादल कई बार वर्षा को उतावले दिखे, बयार काम खराब करती रही। दोपहर 11:30 बजे के आसपास मौसम एक बार फिर बदला तो वर्षा हो गई। काले बादलों के साथ हुई वर्षा से मौसम सुहावना हो गया। वहीं, वर्षा के बाद बढ़ी उमस ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दीं। बाजारों में खरीदारी के लिए निकले लोगों को चिपचिपी गर्मी का सामना करना पड़ा। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों का कहना है कि धान और अन्य खरीफ फसलों के लिए लगातार और अच्छी बारिश की आवश्यकता है। हल्की वर्षा से खेतों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। उधर, मौसम विभाग ने 26 जुलाई के लिए जिले में तेज बारिश और गरज–चमक के साथ वर्षा की संभावना जताई है। पूर्वानुमान के अनुसार अच्छी बारिश होती है तो किसानों को राहत मिलेगी, लेकिन हाइवे और अन्य स्थानों पर जलभराव की समस्या और बढ़ सकती है।

गुरुवार दोपहर हुई वर्षा के बीच बिरला मंदिर के समीप से निकलते वाहन।

सर्विस रोड पर जलभराव से हालात हुए बदतर

आज दोपहर हुई वर्षा ने हाइवे के सर्विस रोड पर समस्या पैदा कर दी। जयगुरुदेव मंदिर से मंडी अंडरपास तक कई स्थानों पर सर्विस रोड पर जलभराव की स्थिति बनने से वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। गड्ढों में भरे पानी के कारण दोपहिया वाहन उछलते-फिसलते नजर आए। जल निकासी की व्यवस्था बेहतर नहीं होने से वर्षा का यह पानी दोपहर से शाम तक भरा नजर आया।

हथियारों के बल पर 12 गाय ले गए आधा दर्जन गौतस्कर

गौशाला चौकीदार के हाथ खोलते संत।

गौतस्करों के बुलंद हौंसलों से इलाके में दहशत

यूनिक समय, मथुरा। गौतस्करों के हौंसले किस कदर बुलंद है, इस बात का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सड़क किनारे और गांवों में रास्तों पर बैठी गायों को गौतस्कर जबरन हथियारों के बल पर ले जाते थे, लेकिन अब गौशालाओं से भी जबरन गायों को हथियारों के बल पर ले जाना शुरू कर दिया है। इससे उनके हौंसलों का अंदाज लगाया जा सकता है। ग्राम प्रधान ऐंच हरिपाल ने कहा कि यह घटना काफी गंभीर है। पुलिस को इस घटना का संज्ञान ले कर गौतस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए, जिससे आगे इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लग सके।

ऐंच गौशाला के चौकीदार की कनपटी पर तान दिया तमंचा गौतस्करों की पहचान करने में जुटी पुलिस

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोसीकलां के गांव ऐंच में बनी अस्थाई गौशाला पर बीती रात आधा दर्जन गौ तस्करों ने धावा बोल दिया। गौतस्करों ने गौशाला के चौकीदार को बंधक बनाया और उसकी कनपटी पर तमंचा लगा कर जानसे मारने की धमकी देते हुए चुप रहने को मजबूर कर दिया। गौशाला में हुई इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैली हुई है। पुलिस घटना करने वाले अपराधियों की तलाश कर रही है।

ऐंच गांव में एक अस्थाई गौशाला बनी हुई है। गौशाला में गायों की सुरक्षा के लिए एक चौकीदार भी रखा हुआ है। अन्य दिनों की तरह गौशाला का चौकीदार सोरनदास रात में गौशाला में था। रात को करीब एक बजे आधा दर्जन गौतस्कर किसी वाहन से आए और वहां मौजूद चौकीदार को हथियारों का भय दिखाकर बंधक बना लिया। चौकीदार शोर करता इससे पहले ही बदमाशों में से एक ने उसकी कनपटी पर तमंचा लगा कर धमकी दी कि अगर शोर करने का प्रयास किया तो तुझे गोली मार देगा। चौकीदार अपनी जान जाने के डर के चुप रह गया। इसके बाद गौ तस्करों ने गौशाला में घुसकर वहां बंधी दस गायों को खोला और बाहर खड़े वाहन में लोड करके ले गए। बदमाशों के चले जाने के बाद चौकीदार ने शोर किया। इसके बाद काफी संख्या में ग्रामीण गौशाला पर एकत्रित हो गए। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। कुछ ही देर में पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने गौतस्करों के वाहन की नाकेबंदी कराई, लेकिन पुलिस वाहन को नहीं पकड़ पाई। गौशाला में हुई गायों की चोरी की वारदात से ग्रामीण इलाके में भारी आक्रोश है। पुलिस गौतस्करों को तलाश के लिए गौशाला को जाने वाले रास्तों के आस–पास लगे सीसी टीवी कैमरों की फुटेज से जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है कि गायों को किस वाहन में लोड करके ले जाया गया है।

छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

मांट तहसील घेराव को जाते जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर और कार्यकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। महंगाई, भ्रष्टाचार, कथित चढ़ावा चंदा चोरी और जंतर–मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में गुरुवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मांट तहसील पर प्रदर्शन किया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने तहसील का घेराव कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी पहले मांट स्थित राधे कृष्णा फार्म हाउस के बाहर एकत्र होते हुए जुलूस निकाल कर तहसील मुख्यालय पहुंचे। तहसील के मुख्य द्वार पर भारी पुलिस बल तैनात होने के कारण प्रदर्शनकारियों को वहीं रोक दिया गया, जिसके बाद प्रदर्शन सभा में बदल गया।

सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि महंगाई, भ्रष्टाचार और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर केंद्र सरकार पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने जंतर–मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की निंदा करते हुए कहा कि युवाओं की आवाज को दबाने का प्रयास लोकतंत्र के खिलाफ है। कार्यकर्ताओं ने पेपर लीक, महंगाई और अन्य मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

इस मौके पर हरदेव सिंह,विक्रम वाल्मीकि, शिवदत्त चतुर्वेदी, हरिओम उपाध्याय, गंगाशरण दीक्षित,धर्मवीर सिंह, सुशील कुमार, सतीश चंद्र दुबे, जयगोपाल शर्मा, चंद्रमोहन शर्मा,रवि खरे, अजीम शाह, बलवीर प्रधान, हाकिम सिंह, छोकर,धर्मेंद्र सिंह प्रधान,राजेश सारस्वत, भगवान सिंह, दीपक सिंह, आशुतोष भारद्वाज, चंद्रप्रकाश सिंह, मनीष चौधरी, राजेश कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिर्जापुर पुल पर श्रद्धालुओं की बस सहित चार वाहन टकराए

जिला अस्पताल में भर्ती बस हादसे में घायल यात्री।

हादसे में एक महिला की मौत, सात लोग घायल

पुलिस ने घायलों को अस्पताल में कराया भर्ती

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित बिर्जापुर पुल के समीप दिल्ली से आगरा साईड पर खराब खड़े ट्रक से एक बस टकरा गई। इसके बाद पीछे आता एक ट्रक, कंटेनर और एक कार एक- दूसरे से टकरा गए। दुर्घटना में बस सवार एक महिला की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया।

गुरुवार प्रातः करीब छह बजे नरहौली रेलव पुल के समीप एक ट्रक खराब हो गया। वहां खड़े ट्रक में पीछे से आती मध्य प्रदेश के श्रद्धालुओं की बस टकरा गई। इसी दौरान पीछे से आता कंटेनर ब्रेक न लगने पर बस से टकरा गया। उसके पीछे आ रही कार के भी कंटेनर से टकरा गई। दुर्घटना की सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक प्रशांत कपिल और उप निरीक्षक अनुज तोमर चौकी प्रभारी बालाजीपुरम भी घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बस में घायल हुए श्रद्धालुओं को बाहर निकाला। घायलों में अमर सिंह पुत्र ख्यासीराम निवासी हसनपुर खलवा खंडवा मध्य प्रदेश, इसी गांव की सुशीला (50) पत्नी अमर सिंह , मेच्याम (44)पुत्र डगरू निवासी मेडी पानी खलवा खंडवा, लक्ष्मनदास (70) पुत्र राजाराम निवासी खाटेगांम खलवा खंडवा, सुन्दर वाई (30)पत्नी मनीराम निवासी फतेह गांव खलवा खंडवा, किशोर(45) पुत्र परसू निवासी खुटवी खलवा खंडवा, शीला (32) पत्नी सत्यप्रकाश निवासी अटूर सनावल खंडवा मध्य प्रदेश घायल हो गये। पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस से हॉस्पिटल पहुंचाया। दुर्घटना में घटनास्थल पर ही गोपाल राठौर निवासी अटूर थाना सनावल खंडवा मध्य प्रदेश की पत्नी की मृत्यु हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद मोरचरी भेज दिया।

हाईवे पर डंफर से टकराई कार, एक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना छाता क्षेत्र स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर छाता के समीप बीती रात एक कार आगे चलते डंफर में घुस गई। दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। दूसरी दुर्घटना गुहारी मोड़ के समीप हुई। यहां सड़क पार करते एक युवक की बाइक की टक्कर लगने से मौत हो गई।

राधावैली में रहने वाले यश अग्रवाल (22) पुत्र हेमंत गर्ग किसी काम से कार से दिल्ली के लिए गए थे। कल रात कार से लौट रहे थे। बताया गया है कि कार को चालक चला रहा था। वह आगे की सीट पर बैठे हुए थे। राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर छाता के समीप तेज रफ्तार कार आगे चल रहे डंफर में पीछे से टकरा गई। दुर्घटना में कार में आगे की सीट पर बैठे यश की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना का पता लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने यश के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। यश की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। दूसरी दुर्घटना में छाता इलाके में तार कोल की फैक्टरी में काम करने वाला युवक संतोष कुमार रात को घर जाने के लिए गुहारी कट के समीप सड़क पार कर रहा था। इसी बीच तेज गति से आते बाइक सवार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। बाइक की टक्कर इतनी गंभीर थी कि उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

फर्जी कागजात पर शस्त्र लेने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने फर्जी कागजात के आधार पर शस्त्र लाइसेंस लेने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। कोतवाली पुलिस के अनुसार, अभियुक्त हिमांशू निवासी शिव कॉलोनी थाना कोतवाली हाथरस के खिलाफ फर्जी कागजात के आधार पर शस्त्र लाइसेंस लेने का मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस ने उसे पुराने बस स्टेंड के समीप से गिरफ्तार कर लिया।

गुरु पूर्णिमा मेले का आगाज पहले दिन व्यवस्थाएं रहीं सुचारु

परिक्रमा मार्ग में की गई सजावट।

गोवर्धन में बनाए गए शिविर में मौजूद पुलिसकर्मी।

श्रद्धालुओं की सामान्य रही आमद, विभागों ने संभाला मोर्चा

परिक्रमा मार्ग पर पुलिस स्वास्थ्य और यातायात टीमें रहीं मुस्तैद

यूनिक समय, गोवर्धन। मुड़िया मेले के पहले दिन श्रद्धालुओं की संख्या सामान्य रही, लेकिन प्रशासन ने सभी व्यवस्थाओं को पूरी तरह सक्रिय रखा। सप्तकोसी परिक्रमा मार्ग पर पुलिस, स्वास्थ्य, यातायात और अन्य विभागों के कर्मचारियों ने अपने-अपने दायित्व संभाल लिए। प्रमुख स्थानों पर बनाए गए पुलिस बूथों पर पुलिसकर्मी मुस्तैदी से तैनात रहे, जबकि यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए एकता तिराहे सहित संवेदनशील चौराहों पर विशेष निगरानी रखी गई।

कच्ची परिक्रमा मार्ग में डाली गई मिट्टी सड़क पर आई तो जलभराव हो गया।

ट्रैफिक इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार अपनी टीम के साथ पूरे समय यातायात संचालन में जुटे रहे। वहीं मानसी गंगा पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए फव्वारे चालू कर दिए गए हैं। हालांकि पहले दिन भीड़ अपेक्षाकृत कम रहने के कारण स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी सीमित रही। परिक्रमा मार्ग पर जगह-जगह भंडारों और प्याऊ की व्यवस्था शुरू हो चुकी है, जिससे आने वाले श्रद्धालुओं को भोजन और पेयजल की सुविधा मिल रही है।

स्वास्थ्य विभाग ने भी मेले के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। सीएचसी प्रभारी डॉ. नेहा चौधरी ने बताया कि पूरे परिक्रमा मार्ग पर 18 स्वास्थ्य बूथ स्थापित किए गए हैं। प्रत्येक बूथ पर चिकित्सकों की टीम, आवश्यक दवाएं और एक एंबुलेंस उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त सात एंबुलेंस सीएचसी पर तैनात हैं और छह मोबाइल मेडिकल टीमें पूरे परिक्रमा मार्ग में लगातार भ्रमण कर श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही हैं। हालांकि बिजली व्यवस्था को लेकर अभी कुछ कार्य जारी है। कई स्थानों पर लाइन सुधार और अन्य तकनीकी कार्यों के कारण बीच-बीच में बिजली आपूर्ति प्रभावित हो रही है। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शेष कार्य जल्द पूरा कर लिया जाएगा, ताकि मेले के मुख्य दिनों में श्रद्धालुओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल सके। प्रशासन का दावा है कि भीड़ बढ़ने के साथ सभी व्यवस्थाओं को और मजबूत किया जाएगा।

मुड़िया मेला में सुरक्षा की दृष्टि से तैनात पुलिसकर्मी।

रोडवेज बसें तैयार, सवारियों का रहा इंतजार

यूनिक समय,मथुरा। गोवर्धन मेले के लिए रोडवेज ने अतिरिक्त बसों सहित सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। पहले दिन बसें अपने निर्धारित समय पर सामान्य रूप से संचालित होती रहीं। अधिकांश बसों में रोजाना की तरह ही सीमित संख्या में यात्री दिखाई दिए। बस अड्डे पर तैनात कर्मचारी और अधिकारी श्रद्धालुओं की अधिक संख्या आने का इंतजार करते रहे। रोडवेज अधिकारियों का कहना है कि जैसे-जैसे मेले की रौनक बढ़ेगी, बसों की संख्या और संचालन में भी आवश्यकता के अनुसार बढ़ोतरी की जाएगी।

सुरक्षा की दृष्टि से मानसी गंगा को बल्लियों से पैक कर दिया गया है। श्रद्धालुओं के स्नान के लिए फब्बारे लगाए गए हैं।

रेलवे स्टेशन पर सामान्य रही आवाजाही

यूनिक समय,मथुरा। गोवर्धन मेले को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने भी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से कर ली हैं। रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा, साफ-सफाई और यात्रियों की सुविधा के लिए कर्मचारियों की अतिरिक्त तैनाती की गई है। पहले दिन ट्रेनों में सामान्य दिनों जैसी ही भीड़ रही। प्लेटफॉर्म और टिकट काउंटरों पर भी कोई दबाव नहीं दिखा। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि अगले कुछ दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के साथ ट्रेनों में भी यात्रियों की संख्या में इजाफा होगा।

लूट की सूचना पर दौड़ी पुलिस

यूनिक समय,मथुरा। थाना राया के बिचपुरी इलाके में दी गई लूट की सूचना पर पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि लूट की सूचना झूठी थी। मामला दो पक्षों के बीच भैंस के रुपयों के लेनदेन का निकला। बताया गया कि बिरहना गांव के धीरज का पीके कालेज के समीप चाय का खोखा है। धीरज ने पुलिस को सूचना दी कि उसके साथ लूट हो गई। इस सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जानकारी की तो मामला लूट का ना होकर भैंस के पैसों के लेनदेन का निकला। धीरज ने अपनी भैंस का सौदा सौनई निवासी नूरी से किया था। धीरज ने भैंस के डॉक्टर को दिखाया तो पता लगा की भैंस गर्भवती निकली। इस पर नूरी अपने दो बेटों और दो अन्य लोगों के साथ भैंस को लेने के लिए आया तो उसने भैंस बिक्री करने से मना कर दिया। इसके बाद पैसों के लेनदेन को लेकर दोनों में विवाद हो गया। धीरज ने पुलिस को लूट की झूठी सूचना दी थी। चौकी इंचार्ज बिचपुरी दोनों पक्षों को चौकी ले गए। बताया गया कि वहां दोनों का फैसला करा दिया।

12 दिन से गायब युवक की तलाश में जुटी पुलिस,रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत के गांव राल से एक युवक 12 दिन पूर्व ससुराल की कहकर गया था, लेकिन वह न तो ससुराल पहुंचा और न घर लौटा। इस मामले में पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जाने पर पीड़ित पिता ने एसएसपी से शिकायत की। राल निवासी वंशी ने शिकायती पत्र में कहा है कि उसका बेटा कान्हा 10 जुलाई को सायं तीन बजे अपनी ससुराल जानू जाने के लिए कहकर गया था। इसके बाद न तो वह ससुराल पहुंचा और नहीं घर लौटा। उसकी बाइक मालगोदाम रोड पर खड़ी मिली। इस मामले में पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। एसएसपी ने इस मामले में कोतवाली प्रभारी को मामला दर्ज कर जांच के आदेश दिए। कोतवाल ने मामले की जांच चौकी बागबहादुर प्रभारी को सौंपी है। पुलिस घटना के बारे जानकारी करने में जुटी हुई है।

साहिबाबाद में मालगाड़ी पटरी से उतरी, कई ट्रेनें निरस्त

मथुरा रूट की सेवाएं भी प्रभावित

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर रेलवे के साहिबाबाद स्टेशन पर एक मालगाड़ी के पटरी से उतरने (डिरेलमेंट) के बाद रिस्टोरेशन कार्य शुरू होने के कारण कई रेल सेवाएं प्रभावित हुई हैं। इसके चलते गाजियाबाद-दिल्ली रेलखंड पर परिचालन बाधित होने से मथुरा मंडल से होकर चलने वाली कई ईएमयू और पैसेंजर ट्रेनों को आज के लिए निरस्त कर दिया गया है। निरस्त की गई ट्रेनों में ट्रेन संख्या 64903 मथुरा-गाजियाबाद ईएमयू, 64905 मथुरा-नई दिल्ली ईएमयू, 64073 धौलपुर-नई दिल्ली, 64957 आगरा कैंट-पलवल, 64019 मथुरा-शकूरबस्ती और 64051 कोसीकलां-गाजियाबाद शामिल हैं।

जिला पंचायत, मथुरा

पत्रांक-881/मृत पशु शव निस्तारण/जि0पं0म0/2026-27 दिनांक-22 जुलाई, 2026

अवशेष मृत पशु शव निस्तारण ठेका/लाईसेंस वर्ष 2026-2027

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद मथुरा के ग्रामीण क्षेत्रान्तर्गत जिला पंचायत, मथुरा द्वारा विकास खण्ड राया, मांट, नौहझील व चौमुहा का मृत पशु शव निस्तारण ठेका/लाईसेंस वर्ष 2026-2027 (शेष अवधि) के लिए स्वीकृति दिनांक से 31.03.2027 तक पैतृक पेशेवर व्यक्तियों के मध्य सार्वजनिक नीलामी द्वारा विकास खण्ड राया, मांट, नौहझील, चौमुहा नीलाम तिथि 27.07.2026 समय दोपहर 12:00 बजे नीलाम स्थल कार्यालय जिला पंचायत मथुरा पर गठित नीलाम समिति द्वारा सम्पन्न की जायेगी। निर्धारित तिथि पर प्रश्नगत विकास खण्डों की नीलाम नहीं होने पर आगामी प्रत्येक माह के प्रत्येक सोमवार को कार्यशील दिवस में सम्पादित की जायेगी। मृत पशु शव निस्तारण का ठेका/लाईसेंस आगामी नीलामी होने तक निर्धारित विकास खण्डों में यदि कोई व्यक्ति अवैधानिक रूप से मृत पशु शव निस्तारण का कार्य करते हुए व चोरी करते हुए पकड़ा गया तो उसके विरूद्ध सुसंगत धाराओं में एफ0आई0आर0 दर्ज कराकर कानूनी कार्यवाही की जायेगी। नीलामी में प्रतिभाग करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को पैतृक रूप से पेशेवर होने का प्रमाण पत्र क्षेत्रीय लेखपाल अथवा ग्राम प्रधान से प्राप्त कर नीलाम अधिकारी/नीलाम समिति को नीलामी से पूर्व उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। कोई भी व्यक्ति जिला पंचायत मथुरा का बकायेदार नीलामी में प्रतिभाग नही कर सकेगा। सर्वोच्च बोलीदाता की बोली स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम प्राधिकारी में निहित होगा। अन्य शर्तों की जानकारी किसी भी कार्यशील दिवस में कार्यालय जिला पंचायत मथुरा में की जा सकती है।

(विनोद कुमार ढाका)
अपर मुख्य अधिकारी,
जिला पंचायत, मथुरा।

(किशन चौधरी)
प्रशासक,
जिला पंचायत, मथुरा।

कोसी का बस स्टैंड डग्गेमारों का अड्डा,यात्री परेशान

सरकारी बसों को नहीं मिल रही खड़े होने की जगह

जलभराव और अव्यवस्थाओं ने बिगाड़ी बस स्टैंड की तस्वीर

यूनिक समय, कोसीकलां। गोवर्धन के मुड़िया पूर्णिमा मेले के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के बीच कोसीकलां बस स्टैंड की अव्यवस्थाएं एक बार फिर सामने आ गई हैं। बस स्टैंड पर डग्गेमार वाहनों का कब्जा होने से रोडवेज बसों को खड़े होने तक के लिए पर्याप्त स्थान नहीं मिल पा रहा है। इससे यात्रियों को चढ़ने-उतरने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है और यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है।

कोसीकलां बस स्टैंड में खडे डग्गेमार वाहन और जलभराव।

जानकारी के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आने वाले अधिकांश श्रद्धालु कोसीकलां होकर गोवर्धन पहुंचते हैं। ऐसे में बस स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड़ रहती है, लेकिन व्यवस्थाएं नाकाफी साबित हो रही हैं। बस स्टैंड परिसर में करीब 50 डग्गेमार वाहन खुलेआम गोवर्धन और राजस्थान मार्ग के लिए सवारियां भरते हैं, जिससे रोडवेज बसों के संचालन में बाधा उत्पन्न हो रही है। परिवहन विभाग के कर्मचारियों का कहना है कि डग्गेमार वाहनों के खिलाफ कई बार शिकायतें भेजी जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके चलते अवैध संचालन लगातार जारी है और सरकारी परिवहन व्यवस्था प्रभावित हो रही है। बस स्टैंड की एक और बड़ी समस्या जलभराव है। सड़क से नीचा होने और समुचित जल निकासी व्यवस्था नहीं होने के कारण परिसर में बरसात के दौरान पानी भर जाता है। कई स्थानों पर कीचड़ और जलभराव से यात्रियों को पैदल निकलने में भी परेशानी होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि मुड़िया मेले के दौरान डग्गेमार वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई और बस स्टैंड की मूलभूत सुविधाओं में सुधार नहीं किया गया तो श्रद्धालुओं और यात्रियों की परेशानियां और बढ़ सकती हैं।

फिटनेस बिना चल रहे स्कूली वाहनों पर सख्ती,मान्यता होगी रद्द

मिशन सेफ फ्यूचर अभियान के बाद परिवहन विभाग का बड़ा कदम

चेतावनी के बाद दस्तावेज पूरे नहीं कराने वाले स्कूलों पर कार्रवाई की तैयारी

यूनिक समय, मथुरा। जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। जिन स्कूलों ने अपने वाहनों की फिटनेस, परमिट और अन्य जरूरी दस्तावेज पूरे नहीं कराए हैं, उनके खिलाफ अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन–प्रथम) राजेश राजपूत ने जिला विद्यालय निरीक्षक को पत्र भेजकर ऐसे विद्यालयों की मान्यता और संबद्धता समाप्त करने की संस्तुति की है।

परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देश पर जिले में एक जुलाई से 15 जुलाई तक 'मिशन सेफ फ्यूचर' अभियान चलाया गया। इस अभियान के द्वारा स्कूलों में बच्चों को लाने–ले जाने वाले वाहनों के सभी जरूरी दस्तावेज, जैसे फिटनेस, परमिट और अन्य कागजात समय पर पूरे कराना था, ताकि बच्चों की यात्रा पूरी तरह सुरक्षित रहे। अभियान के दौरान परिवहन विभाग ने संबंधित स्कूलों को कई बार नोटिस भेजे। अधिकारियों ने फोन पर भी संपर्क किया और कई स्कूलों में जाकर प्रबंधन से दस्तावेज पूरे कराने के लिए कहा। इसके बावजूद कुछ स्कूलों ने विभाग के निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया और आज तक अपने वाहनों के जरूरी कागजात पूरे नहीं कराए। एआरटीओ (प्रवर्तन–प्रथम) ने कहा है कि बिना फिटनेस और परमिट के स्कूली वाहन चलाना बच्चों की सुरक्षा के साथ बड़ा खिलवाड़ है। यह स्कूल प्रबंधन की गंभीर लापरवाही है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

परिवहन विभाग ने ऐसे सभी विद्यालयों की सूची जिला विद्यालय निरीक्षक को भेज दी है, जिनके वाहनों के दस्तावेज अभी भी अधूरे हैं। विभाग ने इन स्कूलों के खिलाफ उनकी मान्यता या संबद्धता रद्द करने की कार्रवाई करने की संस्तुति की है।

डीआईओएस राघवेंद्र सिंह ने कहा कि स्कूलों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी बच्चों को सुरक्षित परिवहन उपलब्ध कराना है। यदि कोई वाहन बिना फिटनेस या परमिट के चलता है तो दुर्घटना होने पर बड़ा हादसा हो सकता है।

उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जो विद्यालय नियमों का पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आने वाले समय में भी स्कूल वाहनों की लगातार जांच की जाएगी, ताकि जिले में केवल सुरक्षित और नियमों के अनुसार चलने वाले स्कूली वाहन ही सड़कों पर उतरें।

उठावनी

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे प्रिय यश गर्ग (पुत्र हेमन्त गर्ग) का आकस्मिक निधन दिनांक 23 जुलाई 2026, गुरुवार को हो गया है

(स्व. यश गर्ग)

उठावनी महिला एवं पुरूषो की दिनांक 24 जुलाई 2026, शुक्रवार को साय: 04:00 बजे से 05:00 बजे तक, अग्रवाटिका, मसानी लिंक रोड, मथुरा पर होगी।

–: शोकाकुल परिवार :–

हेमन्त–नीरजा गर्ग (पिताजी–माताजी)
कैलाशचन्द्र – मधु , सुशील–कल्पना (ताऊजी–ताईजी)
सुरेन्द्र जी बड़ौदा (बड़े फूफाजी), सुनीता–कमल जी ग्वालियर (बुआ–फूफाजी)
आशीष–शालिनी, डॉ. राहुल–डॉ.पूनम , मयंक–करिश्मा,
जतिन–अर्पिता, प्रियांक–काजल, (भईया–भाभी)
शीतल–तरांशु, नेहा–विजय (बहिन–जीजाजी)
प्रशान्त, आकाश, पारुल, शुभम, दीक्षा, रिद्धम (भाई–बहिन)
खनक, अंश, अदविक, तान्या (भतीजे–भतीजी) योहान, भव्यांश, प्रिशा (भांजे–भांजी)

प्रतिष्ठान

• बृजवासी लेमीनेशन एण्ड पैकेजिंग, लाल दरवाजा, मथुरा
• सिल्कस्क्रीन पब्लिसिटी, पूजा कॉम्पलैक्स, मसानी लिंक रोड, मथुरा
• सिल्क्रीन पैकेजिंग • मधु डेन्टल केयर, गंजवाला प्लाजा, भरतपुर गेट

मो. 9319241019, 9536500600

ब्रज की संगीत प्रतिभा को मिला राष्ट्रीय मंच पर सम्मान

श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर के संगीत प्रशिक्षक कृष्णकांत की 'वंदे मातरम्' रचना राष्ट्रीय स्तर पर चयनित

यूनिक समय, मथुरा। श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर के संगीत प्रशिक्षक-विद्या भारती ब्रज प्रांत के सह प्रांत प्रमुख कृष्णकांत शर्मा की स्वरबद्ध रचना 'वंदे मातरम्' का चयन आगामी अखिल भारतीय कार्यक्रम के लिए किया गया है। यह उपलब्धि ब्रज प्रांत और पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र की ओर से 18 से 22 जुलाई तक गाजियाबाद में आयोजित पांच दिवसीय क्षेत्रीय संगीत कार्यशाला में कृष्णकांत शर्मा ने मुख्य प्रशिक्षक-संयोजक के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने प्रतिभागियों को शुद्ध स्वर साधना, लय–ताल, सही उच्चारण और सामूहिक गायन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। साथ ही विद्या भारती की केंद्रीय योजना के अंतर्गत निर्धारित मासिक गीतों का अभ्यास भी कराया। कार्यशाला के दौरान उन्होंने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की तीन मिनट 10 सेकंड की नई, गरिमामय और मधुर स्वरबद्ध प्रस्तुति तैयार की। रिकॉर्डिंग और मूल्यांकन के बाद उनकी इस रचना को पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। कृष्णकांत शर्मा ने इस सफलता का श्रेय विद्यालय के प्रधानाचार्य हरेन्द्र सारस्वत के मार्गदर्शन और विद्यालय परिवार के सहयोग को दिया। विद्यालय परिवार और विद्या भारती के पदाधिकारियों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।

हाईस्कूल/इंटरमीडिएट की इम्प्रवूमेंट/कमार्टमेंट परीक्षा 28 को

यूनिक समय, मथुरा। जिले में माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा आयोजित वर्ष 2026 हाईस्कूल और इंटर मीडिएट इम्प्रवूमेंट/कम्पार्टमेंट की परीक्षा केंद्र जिले में वीडीपी राजकीय इंटर कॉलेज को बनाया गया है। यह परीक्षा 28 जुलाई को दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली सुबह 8.30 बजे से 11.45 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर दो बजे से 5.15 मिनट होगी। परीक्षा की देख रेख के लिए एक सेक्टर मजिस्ट्रेट और एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट को बनाया गया है।

पीएमश्री जीआईसी फरह में शिक्षिकाओं की कमी

विद्यालय में करीब 1100 छात्राएं पढ़ रही हैं

एकमात्र पीएमश्री कॉलेज में छह शिक्षिकाओं के पद खाली

छात्राओं को घर पर करनी पड़ रही है अतिरिक्त पढ़ाई

यूनिक समय, मथुरा। जिले का एकमात्र पीएमश्री पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय बालिका इंटर कॉलेज फरह शिक्षिकाओं की कमी से जूझ रहा है। कक्षा छह से 12 तक संचालित इस विद्यालय में करीब 1100 छात्राएं पढ़ाई कर रही हैं, लेकिन करीब छह शिक्षिकाओं के पद खाली होने से पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है।

विद्यालय में मौजूद शिक्षिकाएं पूरी मेहनत से सभी कक्षाओं की पढ़ाई कराने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन स्टाफ कम होने के कारण उन्हें एक से अधिक कक्षाओं और विषयों की जिम्मेदारी संभालनी पड़ रही है। ऐसे में हर कक्षा को पर्याप्त समय देना आसान नहीं है। शिक्षिकाओं की कमी के कारण कई छात्राओं को स्कूल में पढ़ाई के बाद घर पर अधिक समय देकर पढ़ाई करनी पड़ रही है, ताकि उनका पाठ्यक्रम पूरा हो सके और परीक्षा की तैयारी अच्छी तरह हो जाए। यदि खाली पदों पर नियुक्ति हो जाए तो छात्राओं को और बेहतर शिक्षा मिल सकेगी। पीएमश्री योजना सरकारी विद्यालयों में बेहतर शिक्षा और आधुनिक सुविधाएं देना है। ऐसे में जिले के इस महत्वपूर्ण बालिका विद्यालय में शिक्षिकाओं की कमी चिंता का विषय बनी हुई है।

लोगों का कहना है कि किसी भी स्कूल में पर्याप्त शिक्षक होना जरूरी है। जब शिक्षकों की संख्या कम होती है तो पढ़ाई पर तो असर पड़ता है। लेकिन खाली पदों के कारण परेशानी लगातार बनी हुई है। यदि जल्द नई शिक्षिकाओं की नियुक्ति नहीं हुई तो आने वाले समय में छात्राओं की पढ़ाई पर संकट खड़ा हो सकता है। यह विद्यालय अंत्योदय के उपासक पं. दीनदयाल उपाध्याय के नाम से उनके जन्म स्थान में संचालित है। राज्य और केंद्र में भाजपा सरकार होने के बाद भी शिक्षिकाओं की कमी आश्चर्य पैदा करती है। इस एकमात्र पीएमश्री कन्या इंटर कॉलेज में खाली पड़े शिक्षिकाओं के पद भरे जाएं, ताकि सभी विषयों की नियमित पढ़ाई हो पाएगी। स्टाफ की कमी के बाद भी फिलहाल विद्यालय की शिक्षिकाएं अतिरिक्त जिम्मेदारी निभाकर व्यवस्था संभाल रही हैं।

जीआरपी पुलिस पूरी तरह मुस्तैद

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन मेले को लेकर राजकीय रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल के जवान पूरे दिन अपनी ड्यूटी पर मुस्तैद रहे। रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी गई। पुलिसकर्मियों ने यात्रियों को सुरक्षित यात्रा और सतर्क रहने के लिए जागरूक भी किया। पहले दिन रोजमर्रा की तरह ही यात्रियों ने यात्रा की।

सेल्सफोर्स प्लेटफॉर्म की खूबियों से रूबरू हुए राजीव एकेडमी के विद्यार्थी

एमसीए छात्र–छात्राओं को सेल्सफोर्स प्लेटफॉर्म में स्वचालन और एकीकरण की जानकारी देते हुए विशेषज्ञ सेल्सफोर्स डेवलपर गौरव कुमार सक्सेना।

विशेषज्ञ ने सेल्सफोर्स प्लेटफॉर्म के स्वचालन और एकीकरण पर दी जानकारी

यूनिक समय, मथुरा। सेल्सफोर्स प्लेटफॉर्म में स्वचालन और एकीकरण किसी व्यवसाय की उत्पादकता बढ़ाने और मैन्युअल कार्य को कम करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। यह प्रणालियों को जोड़कर डेटा सिंक करता है और दोहराए जाने वाले कार्यों को स्वचालित करता है। सेल्सफोर्स में 'फ्लो' स्वचालन के लिए सबसे शक्तिशाली उपकरण हैं, जो बिना कोडिंग के जटिल वर्कफ्लो बनाने में मदद करते हैं जबकि फ्लो बिल्डर का उपयोग उपयोगकर्ता द्वारा ट्रिगर–आधारित ऑटोमेशन बनाने के लिए किया जाता है।

यह महत्वपूर्ण जानकारी कोडएम सॉफ्टवेयर के विशेषज्ञ सेल्सफोर्स डेवलपर गौरव कुमार सक्सेना ने राजीव एकेडमी के एमसीए छात्र–छात्राओं को दी। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, मथुरा की संचार प्रयोगशाला में एमसीए विभाग द्वारा "सेल्सफोर्स प्लेटफॉर्म में स्वचालन–एकीकरण" विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता गौरव कुमार सक्सेना ने विद्यार्थियों को सेल्सफोर्स प्लेटफॉर्म में स्वचालन–एकीकरण की उपयोगिता के बारे में सरल- व्यावहारिक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेल्सफोर्स फ्लो और म्यूलसॉफ्ट जैसे आधुनिक उपकरणों की सहायता से विभिन्न प्रणालियों को एक–दूसरे से जोड़कर कार्यों को तेज, सरल और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

उन्होंने छात्र–छात्राओं को बताया कि सेल्सफोर्स फ्लो के माध्यम से लीड रूटिंग, जटिल व्यावसायिक प्रक्रियाओं का समन्वय और कोट–टू–कैश स्वचालन जैसी प्रक्रियाओं को स्वचालित किया जा सकता है। उन्होंने छात्र–छात्राओं को लीड–टू–सीआरएम समन्वय, एपीआई आधारित एकीकरण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित समाधानों के महत्व पर भी विस्तार से जानकारी दी।

संस्थान के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें उद्योग जगत में उपयोग होने वाली नई–नई तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान भी प्राप्त करना आवश्यक है। आरके एज्युकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल और प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल ने अतिथि व्याख्यान को उपयोगी बताया। डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि वर्तमान समय में उद्योग जगत तेजी से नई तकनीकों को अपना रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों को सेल्सफोर्स प्लेटफॉर्म के स्वचालन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करना जरूरी है।

वृद्धा की इलाज के दौरान हुई मौत

यूनिर समय, मथुरा। वृंदावन के गौरी गोपाल आश्रम में सेवा करने वाली एक वृद्धा की बीमारी के चलते मौत हो गई ललपरी देवी (72) पत्नी कमल ठाकुर निवासी दरभंगा बिहार काफी समय से गौरी गोपाल आश्रम में रहकर सेवा-पूजा कर रही थी। बीमार होने के कारण उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जिला पंचायत, मथुरा

पत्रांक: 889/ कृषिफार्म–जि0पं0/2026–27 दिनाँक–22/07/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद मथुरा के ग्रामीण क्षेत्रान्तर्गत प्रा0पा0/जू0हा0 स्कूलों से सम्बद्ध जिला पंचायत, मथुरा के नियन्त्रणाधीन अवशेष कृषि फार्म भूमि एवं ग्राम छाहरी में नौहझील कच्ची सडक के छूटी खुली भूमि का वित्तीय वर्ष 2026–27 (शेष अवधि) स्वीकृति दिनाँक से 31.05.2027 तक) के लिये नीलाम निम्नाँकित तालिका में अंकित तिथि में किया जायेगा। नीलाम से पूर्व बोली बोलने हेतु नीलाम समिति के समक्ष उनके निर्देशानुसार निर्धारित धरोहर राशि जमा करना अनिवार्य होगा। बोली समाप्ति के उपरान्त सर्वोच्च बोलीदाता को सम्पूर्ण धनराशि तुरन्त जमा करानी होगी, जमा न करने की स्थिति में धरोहर राशि जब्त कर द्वितीय बोलीदाता से जमा करायी जा सकेगी। यदि वह भी जमा करने में असमर्थ रहता है तो उसकी भी धरोहर राशि जब्त कर पुन: नीलामी प्रक्रिया अपनायी जा सकेगी। जिला पंचायत का कोई भी बकायेदार नीलाम में भाग नहीं ले सकेगा, और न ही सन्दर्भित ठेकों के सापेक्ष पूर्व निर्धारित शर्तों का उल्लघंन कर सकेगा। नीलाम से सम्बन्धित शर्तों की जानकारी कार्यालय जिला पंचायत मथुरा से कार्यशील दिवस में ज्ञात की जा सकती है।

क्रं. सं.	तहसील	कृषि फार्म	नीलामी दिनांक	समय	नीलामी स्थल
1.	छाता	भदावल, साँचौली, बरौली, शाहपुर, नरी, गुहेतादसविसा, शिवाल, दलौता।	30.07.2026	12–00 बजे	राजीव गांधी सभागार, जिला पंचायत मथुरा।
2.	गोवर्धन	लोरियापट्टी, फौंडर, प्रा0पा0 सहार, बझेरा, सेरासवला, भरनाखुर्द ।			
3.	मथुरा	लुहारा, विसू।			
4.	मॉट	ओहावा, छिनपारई, खरबा, लालपुर महावन।			
5.	महावन	छौली, अकोस प्रथम, अकोस द्वितीय।			

नोट :– नोट जो अवशेष कृषि फार्म उक्त दिनाँक को नीलाम नहीं हो पायेगें या उचित बोली प्राप्त नहीं होगी उनका पुन: नीलाम प्रत्येक माह के प्रत्येक बुधवार (कार्य दिवस) को कार्यालय जिला पंचायत मथुरा पर उपरोक्तानुसार समय व स्थल पर नीलाम किया जायेगा।

अभियन्ता, जिला पंचायत, मथुरा। | अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, मथुरा। | प्रशासक, जिला पंचायत, मथुरा।

सार्वजनिक सूचना

मैं हरवेन्द्र सिंह पुत्र स्व. श्री देवेन्द्र सिंह निवासी गौंछ थाना नारखी तहसील एवं जिला फिरोजाबाद द्वारा माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद में क्रि0 रिवी0 सं0 6087/2025 हरवेन्द्र सिंह बनाम उ0प्र0 राज्य एवं अन्य के विरुद्ध दाखिल किया है जिसमें प्रतिपक्षी सं0 2 श्रीमती मनीषा पत्नी श्री हरवेन्द्र सिंह पुत्री श्री ताराचन्द्र निवासी इन्दावली शहजादपुर थाना बल्देव तहसील महावन जिला मथुरा माननीय उच्च न्यायालय में जानते हुए उपस्थित नहीं हो रही है माननीय उच्च न्यायालय द्वारा आदेश दिनांक 21–7–2026 के तहत स्थानीय अखबार के माध्यम से प्रतिपक्षी सं0 2 को सूचित करना बताया गया है।

कोर्ट ने बलवे में हत्या और घायल करने पर सात को सुनाई सजा

अभियुक्तों को दस-दस साल की सजा

यूनिक समय, मथुरा। अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी द्वितीय सुशील कुमार ने बलवा करने और एक व्यक्ति की मौत होने के मामले में सात अभियुक्तों को दस-दस साल की कैद और 20-20 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

सहायक शासकीय अधिवक्ता नरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि थाना हाईवे के गांव अड़की में वादी रामप्रकाश ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा कि

उसके परिवार से गांव के किशोरी पुत्र ठकुरी की रंजिश चल रही थी। 12 मई 2018 को किशोरी और उसके परिवार के लोगों ने लाठी-सरिया आदि से लैस

20-20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया

होकर उसके पिता रामगोपाल, मां किरन देवी और उसकी पत्नी रामलता, छोटे भाई दिलीप की पत्नी मालती को घर के बाहर घेर कर मारपीट कर गंभीर घायल कर दिया था।

पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया था। रामगोपल की आगरा में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस मामले में हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने अभियुक्तों के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया। मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी द्वितीय सुशील कुमार के न्यायालय में हुई। न्यायाधीश ने इस मामले में अभियुक्त संजय, जीतू, नरेंद्र कपिल, किशोरी, सुनील उर्फ सुशील और अवधेश को उक्त सजा से दंडित किया है।

जन्माष्टमी से पहले दुरुस्त हों शहर की सभी सड़कें: नगर आयुक्त

सीएम ग्रिड्स योजना के कार्यों की समीक्षा बैठक करते हुए नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

आयुक्त ओजस्वी राज के सख्त निर्देश

सीएम-ग्रिड्स योजना के कार्यों की समीक्षा

यूनिक समय, मथुरा। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम के तहत शहर में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से पहले सभी क्षतिग्रस्त और खुदी हुई सड़कों की मरम्मत हर हाल में पूरी कराई जाए। नगर निगम और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से विभिन्न मार्गों पर चल रहे कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया गया।

नगर आयुक्त ने कहा कि जन्माष्टमी पर लाखों श्रद्धालु मथुरा पहुंचते हैं, इसलिए सड़कें सुरक्षित और सुगम होना जरूरी है। उन्होंने पेचवर्क, सड़क निर्माण और खुदाई के बाद बहाली का कार्य तय समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

बैठक में मुख्य अभियंता संजय सिंह, अधिशासी अभियंता अमरेंद्र गौतम, सहायक अभियंता सोमेश, नगर निगम के सभी अवर अभियंता तथा लोक निर्माण विभाग के सहायक और अवर अभियंता मौजूद रहे।

अड़ींग के तरुण ने दूसरे प्रयास में नीट किया क्वालीफाई

हासिल की 879 कैटेगरी रैंक

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन क्षेत्र के अड़ींग निवासी तरुण ने दूसरे प्रयास में नीट-यूजी परीक्षा उत्तीर्ण कर 879 कैटेगरी रैंक और 32,767 ऑल इंडिया रैंक (नेशनल रैंक) हासिल की है। उनकी इस सफलता से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। तरुण की मां ममता आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं, जबकि पिता रूपकिशोर निजी तौर पर चिकित्सा सहायक के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की पढ़ाई ज्ञानदीप शिक्षा भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल से पूरी की। वर्ष 2025 में उन्हें बीएएमएस में प्रवेश मिला था, लेकिन एमबीबीएस में चयन का लक्ष्य तय कर उन्होंने प्रवेश नहीं लिया और दोबारा तैयारी शुरू की।

तरुण ने बताया कि तैयारी के दौरान वह प्रतिदिन 13 से 14 घंटे तक पढ़ाई करते थे। उन्होंने कहा कि माता-पिता की मेहनत और त्याग ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया। नीट परीक्षा से जुड़ी प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार मेहनत जारी रखी। उनका कहना है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और उसके प्रति समर्पण के साथ निरंतर प्रयास किया जाए, तो सफलता अवश्य मिलती है।

योगमाया शक्तिपीठ में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

योगमाया शक्ति पीठ में मौजूद श्रद्धालु और अन्य।

भजन, सुंदरकांड और हवन-यज्ञ से भक्तिमय हुआ मंदिर परिसर

महाआरती के बाद प्रसाद वितरण, देर रात तक गूंजते रहे जयकारे

यूनिक समय, मथुरा। प्राचीन योगमाया शक्तिपीठ (कंस कारागार) मल्लपुरा में आषाढ़ शुक्ल पक्ष की भड़ली नवमी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भजन संध्या, संगीतमय सुंदरकांड पाठ, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-यज्ञ, महाआरती और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने माता योगमाया के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की।

शुभारंभ विधि-विधान से पूजा के साथ हुआ। महंत आचार्य वंदना पाराशर के सान्निध्य में आयोजित भजन संध्या में भक्ति गीतों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। देर रात तक मंदिर परिसर जय श्रीराम और जय माता योगमाया के जयघोष से गूंजता रहा।

धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान श्रद्धालुओं ने हवन-यज्ञ में आहुतियां अर्पित कर परिवार, समाज और राष्ट्र की शांति, समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। महाआरती के उपरांत सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

पंडित वीरपाल मिश्रा ने बताया कि सनातन परंपरा में भड़ली नवमी का विशेष धार्मिक महत्व है। इस दिन पूजा-पाठ, सुंदरकांड और यज्ञ करने से आध्यात्मिक ऊर्जा की प्राप्ति होती है और भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होने की मान्यता है। कार्यक्रम में रामजीत झा, बच्चू शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, राजेंद्र शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

साइबर अपराध करने वाले की जमानत खारिज

यूनिक समय, मथुरा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार ने साइबर अपराध करने वाले एक अभियुक्त की जमानत प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया। डीजीसी शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि साइबर अपराध के मामले में जिला कारागार में निरुद्ध अभियुक्त साबिर ने अपनी जमानत के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। उसके अधिवक्ता ने पुलिस द्वारा उसे झूंठा फंसाए जाने का आरोप लगाया। इस पर डीजीसी ने उसके पास से बरामद मोबाइल और आधार कार्ड आदि के बारे में दलील देते हुए जमानत प्रार्थना पत्र का विरोध किया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद जमानत प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया।

कार से टकराया ट्रक, हादसा टला

यूनिक समय, बरारी। गुरुवार दोपहर को गेट नंबर नौ पर आगे चल रही कार के यकायक ब्रेक लेने से पीछे चल रहा ट्रक टकरा गया, हादसे में वाहन कुछ क्षतिग्रस्त हो गए।

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि दिल्ली की आ रही एक कार ने अचानक ब्रेक लगा दिए। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक चालक ने यह देखा तो वाहन को काफी हद तक काबू करने की कोशिश की, लेकिन फिर भी कार में ट्रक पीछे से घुस गया, किसी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा, लेकिन वाहन में कुछ नुकसान हुआ है।

एसबीआई के शिकायत समाधान पखवाड़े में चार शिकायतें सौंपी गईं

यूनिक समय,मथुरा। भारतीय स्टेट बैंक के शिकायत समाधान पखवाड़े के तहत मुख्य शाखा में क्षेत्रीय व्यावसायिक कार्यालय-3 द्वारा पेंशनर्स की शिकायतों के समाधान के लिए बैठक आयोजित की गई। बैठक में दर्जनों पेंशनर्स ने भाग लिया और चार शिकायत पत्र अधिकारियों को समाधान के लिए सौंपे गए।

क्षेत्रीय कार्यालय से आईं प्रबंधक (मानव संसाधन) शिल्पी और मुख्य प्रबंधक (परिचालन) रेखा ने सभी पेंशनर्स के स्वागत के साथ की। एसबीआई पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एसके सक्सेना ने पेंशनर्स की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके शीघ्र समाधान के लिए सुझाव दिए। अधिकारियों ने कहा कि बैंक प्रबंधन पेंशनर्स को संस्था की ऊर्जा का स्रोत है। बैठक में मथुरा मुख्य शाखा के मुख्य प्रबंधक उपेंद्र कुमार, प्रबंधक पवन सिंह,राकेश नारायण, धर्मेंद्र कौशल,शीतल, शरद भार्गव, संजय कुमार, नवनीत अग्रवाल, सुरेश शर्मा, नरेश शर्मा आदि मौजूद रहे। एसके सक्सेना ने क्षेत्रीय कार्यालय से आए अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

गोवर्धन विधायक ने केंद्रीय मंत्री से मांगे दो अंडरपास

यूनिक समय, गोवर्धन। गोवर्धन विधानसभा क्षेत्र के विधायक मेघश्याम सिंह ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री को दो पत्र भेजकर महत्वपूर्ण मांगें उठाई हैं। उन्होंने एनएच-19 पर छटीकरा (गरुड़ गोविंद रोड) और बरारी गांव के पास अंडरपास बनाने की मांग की है। उनका कहना है कि इन स्थानों पर प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु, किसान और स्थानीय लोग आवागमन करते हैं, लेकिन सुरक्षित सड़क पार करने की व्यवस्था नहीं होने से दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

विधायक ने दूसरे पत्र में एनएच-530बी स्थित ग्राम कोयला अलीपुर में बने अंडरपास के स्थान पर जंक्शन चौराहा विकसित करने की मांग भी की। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने मौजूदा व्यवस्था को असुविधाजनक बताते हुए कई प्रार्थना पत्र दिए हैं। उनका कहना है कि जंक्शन बनने से क्षेत्र के लोगों को अधिक सुविधा मिलेगी। विधायक ने मंत्रालय से जनहित को देखते हुए दोनों प्रस्तावों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया है।

वृंदावन के रुक्मणी विहार में पांच दिन से पानी सप्लाई ठप

यूनिक समय, वृंदावन। रुक्मणी विहार सेक्टर एक,दो और तीन के निवासी पिछले पांच दिनों से सामान्य पानी की सप्लाई बाधित होने के कारण भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। नियमित जलापूर्ति बंद होने से क्षेत्र के लोगों के दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। घरों में नहाने, कपड़े धोने, साफ-सफाई और अन्य घरेलू कार्यों के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। इससे लोगों की दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो गई है। लोगों को टैंकर से पानी खरीदना पड़ रहा है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, रुक्मणी विहार में प्रतिदिन सुबह लगभग 8:30 बजे सामान्य पानी की सप्लाई की जाती है। यह सप्लाई रुक्मणी विहार गोलचक्कर स्थित जल वितरण केंद्र से छोड़ी जाती है, लेकिन पिछले पांच दिनों से यहां से पानी की आपूर्ति पूरी

टैंकर से खरीद कर पानी लेते रुक्मणी विहार के लोग।

सेक्टर एक, दो और तीन में रहने वाले लोगों को हो रही परेशानी

टैंकर से पानी खरीदने को मजबूर हैं स्थानीय लोग, आक्रोश

तरह बंद है।

बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले हुई बारिश के कारण पंप का स्टार्टर खराब हो गया, जिसकी वजह से जलापूर्ति व्यवस्था ठप हो गई है।

पानी की आपूर्ति बंद होने के कारण लोगों को अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए निजी पानी के टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं। इसके लिए उन्हें अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है। कई परिवारों का कहना है कि रोजमर्रा के घरेलू कार्यों के लिए टैंकर का सहारा लेना मजबूरी बन गया है, जिससे आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्या की जानकारी दी है, लेकिन अभी तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही खराब स्टार्टर की मरम्मत या उसे बदलकर पानी की सप्लाई शुरू नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में परेशानी और बढ़ सकती है।

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए, राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

सुविचार

मेहनत, धैर्य और विश्वास से हर मंजिल हासिल की जा सकती है।

कल का पंचांग

तिथि	एकादशी	09:13-11:34 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	अनुराधा	01:42-04:36 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:42 AM	चन्द्रोदय	03:15 PM
सूर्यास्त		7:08 PM	चंद्रास्त	01:34 AM
सूर्य राशि		कर्क राशि	चंद्र	वृश्चिक राशि
शुभ मुहूर्त		11:58AM –12:52 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		10:45 AM: 12:25 PM	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, जल्दबाजी से बचें।

वृषभः निवेश से लाभ के संकेत हैं। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। पुराने मित्र से मुलाकात होगी। यात्रा शुभ और लाभदायक रहेगी।

मिथुनः रुके हुए कार्य पूरे होंगे। नौकरी में सम्मान मिलेगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। खर्चों पर नियंत्रण रखें और संयम बनाए रखें।

कर्कः परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। व्यापार में लाभ मिलेगा। नई योजनाएं सफल होंगी। सेहत सामान्य रहेगी, सकारात्मक सोच रखें।

सिंहः आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यस्थल पर प्रशंसा मिलेगी। आर्थिक लाभ के अवसर बनेंगे। रिश्तों में मधुरता आएगी और मन प्रसन्न रहेगा।

कन्याः महत्वपूर्ण निर्णय सोच–समझकर लें। नौकरी में प्रगति होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

तुलाः व्यापार में नए अवसर मिलेंगे। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

वृश्चिकः मेहनत का पूरा फल मिलेगा। रुका धन वापस मिल सकता है। परिवार में शुभ समाचार मिलेगा। यात्रा संभव है।

धनुः करियर में नई संभावनाएं बनेंगी। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी।

मकरः नौकरी और व्यवसाय में लाभ मिलेगा। वरिष्ठों का सहयोग रहेगा। परिवार में आनंद का वातावरण रहेगा। सेहत का विशेष ध्यान रखें।

कुंभः नई योजनाओं पर काम शुरू होगा। आय के स्त्रोत बढ़ेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक खर्चों से बचें और धैर्य रखें।

मीनः मनचाही सफलता मिलने के योग हैं। परिवार के साथ सुखद समय बितेगा। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य और खानपान पर ध्यान दें।

त्रेता युग में सात्विक भोजन से तेजस्वी बने भगवान श्रीराम

राजमहल में मिलता था शुद्ध सात्विक और पौष्टिक भोजन

वनवास में कंद मूल फल बने मुख्य आहार

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़ी अनेक घटनाओं का वर्णन रामचरितमानस और वाल्मीकि रामायण में मिलता है। इन ग्रंथों में उनके आदर्श जीवन के साथ–साथ खानपान का भी उल्लेख है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान श्रीराम का भोजन पूरी तरह सात्विक, प्राकृतिक और शुद्ध होता था, जो उनके संयमित जीवन और तेजस्वी व्यक्तित्व का आधार माना जाता है।

गोस्वामी तुलसीदास ने बालकांड में वर्णन किया है कि अयोध्या के राजमहल में भगवान श्रीराम और उनके भाइयों को सोने की थालियों में अनेक प्रकार के स्वादिष्ट और सात्विक व्यंजन परोसे जाते थे। भोजन के समय श्रीराम अपने भाइयों भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न के साथ–साथ मित्रों के साथ भी प्रेमपूर्वक बैठकर भोजन करते थे। राजभवन में चावल, खीर, मालपुए, मोदक, खिचड़ी, तिल–दूध से बनी मिठाइयां, शुद्ध घी, दूध, दही और मक्खन जैसे पौष्टिक व्यंजन परोसे जाते थे।

वनवास के दौरान भगवान श्रीराम का जीवन पूरी तरह तपस्वी और सादा हो गया। वाल्मीकि रामायण के अयोध्याकांड में श्रीराम स्वयं कहते हैं कि वे चौदह वर्षों तक वन में रहकर शहद, कंद, मूल, फल और हविष्यान्न ग्रहण करेंगे। यह भोजन ऋषि–मुनियों की परंपरा के अनुरूप सात्विक और संयमित जीवन का प्रतीक माना जाता था।

अरण्यकांड में माता शबरी के प्रसंग का भी उल्लेख मिलता है, जहां उन्होंने भगवान श्रीराम को प्रेमपूर्वक मीठे बेर, कंद, मूल और फल अर्पित किए। श्रीराम ने प्रेमभाव से उन्हें स्वीकार किया और उनके स्नेह की सराहना की। यह प्रसंग बताता है कि भगवान के लिए भोजन का स्वाद नहीं, बल्कि श्रद्धा और प्रेम सबसे महत्वपूर्ण था।

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार हविष्यान्न में जौ, धान, गेहूं, मूंग, तिल, गाय का दूध, दही, शुद्ध घी, साग, शकरकंद, अरबी और प्राकृतिक फल शामिल होते थे।

इसमें लहसुन, प्याज और तेल का प्रयोग नहीं किया जाता था। यही सात्विक भोजन शरीर को स्वस्थ, मन को शांत और जीवन को संयमित रखने का आधार माना गया है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

चाणक्य : इन पांच आदतों से बढ़ जाता है धोखा मिलने का खतरा

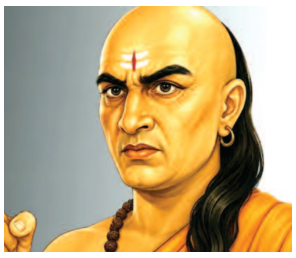

अंधा भरोसा अक्सर बनता है धोखे की वजह

आत्मनिर्भर बनें, चापलूसी से हमेशा रहें सावधान

यूनिक समय, मथुरा। आचार्य चाणक्य ने अपने नीति शास्त्र में जीवन को सफल और सुरक्षित बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण बातें बताई हैं। चाणक्य के अनुसार व्यक्ति का स्वभाव ही कई बार उसे धोखे का शिकार बना देता है। जरूरत से ज्यादा भोलापन, बिना परखे भरोसा करना और भावनाओं में निर्णय लेना जैसी आदतें लोगों को मुश्किल में डाल सकती हैं।

चाणक्य नीति के अनुसार सबसे पहले ऐसे लोग धोखा खाते हैं जो अत्यधिक सीधे और भोले होते हैं। वे सामने वाले की नीयत पर संदेह नहीं करते और हर किसी को अपने जैसा ईमानदार मान लेते हैं। ऐसे लोगों का स्वार्थी व्यक्ति आसानी से फायदा उठा सकता है। दूसरी आदत है बिना परखे किसी पर आंख बंद करके भरोसा करना। चाणक्य कहते हैं कि किसी भी व्यक्ति पर विश्वास करने से पहले उसके व्यवहार और स्वभाव को समझना जरूरी है। जल्दबाजी में किया गया भरोसा नुकसान का कारण बन सकता है। तीसरी श्रेणी उन लोगों की है जो हर फैसला केवल भावनाओं के आधार पर लेते हैं। संवेदनशील होना अच्छी बात है, लेकिन महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय विवेक और तर्क का साथ भी जरूरी है। चौथी आदत झूठी प्रशंसा से प्रभावित होना है। चाणक्य के अनुसार चापलूसी करने वाले लोग अक्सर अपने स्वार्थ के लिए मीठी बातें करते हैं। इसलिए किसी की बातों से अधिक उसके व्यवहार और कार्यों पर ध्यान देना चाहिए। पांचवीं आदत दूसरों पर अत्यधिक निर्भर रहना है। करियर, धन या निजी जीवन के हर फैसले के लिए दूसरों पर निर्भर रहने वाला व्यक्ति आसानी से प्रभावित हो सकता है।

चाणक्य नीति की मूल सीख यही है कि जीवन में भलमनसाहत के साथ सतर्कता, विवेक और आत्मनिर्भरता भी उतनी ही आवश्यक है। भरोसा करें, लेकिन सोच–समझकर; मदद करें, लेकिन अपनी समझ को कभी कमजोर न होने दें।

मुड़िया पूर्णिमा पर गोवर्धन परिक्रमा से मिलती है मोक्ष प्राप्ति

करोड़ी मेले में उमड़ती है अटूट श्रद्धा

व्यास पूर्णिमा पर गुरु पूजन का विशेष महत्व

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की पावन भूमि पर मनाई जाने वाली मुड़िया पूर्णिमा का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व अत्यंत विशेष माना जाता है। आषाढ़ पूर्णिमा के अवसर पर लगने वाले प्रसिद्ध करोड़ी मेले में देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा कर भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

पौराणिक मान्यता के अनुसार, जब भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्रदेव के प्रकोप से ब्रजवासियों की रक्षा के लिए अपनी कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत धारण किया, तभी से गोवर्धन परिक्रमा की परंपरा शुरू हुई। माना जाता है कि मुड़िया पूर्णिमा के दिन श्रद्धापूर्वक परिक्रमा करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और भगवान श्रीकृष्ण की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इस पर्व का संबंध संत सनातन गोस्वामी से भी माना जाता है। उनके सम्मान में निकाली जाने वाली परिक्रमा कालांतर में विशाल मुड़िया मेले का स्वरूप बन गई।

इसी दिन गुरु पूर्णिमा या व्यास पूर्णिमा भी मनाई जाती है। यह पर्व महर्षि वेदव्यास को समर्पित है, जिन्होंने वेदों का विभाजन और महाभारत की रचना की। इस अवसर पर श्रद्धालु अपने गुरु का पूजन कर ज्ञान और सद्मार्ग का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

अनोखी पहल: 1100 श्रद्धालुओं के लिए नि:शुल्क स्पेशल रेल तीर्थ यात्रा

पहले दिन 600 श्रद्धालुओं ने कराया पंजीकरण

श्रद्धालु करेंगे प्रमुख जैन तीर्थों का दर्शन

यूनिक समय, मथुरा। राजस्थान के पाली जिले में जैन समाज ने श्रद्धालुओं के लिए आस्था और सेवा का अनूठा उदाहरण पेश किया है। श्री शांतिनाथ जैन सेवा संस्थान (लोढ़ा का बास) की ओर से वर्ष 2027 में 1100 श्रद्धालुओं के लिए 9 दिवसीय निःशुल्क स्पेशल रेल तीर्थ यात्रा संघ का आयोजन किया जाएगा। इस यात्रा में श्रद्धालुओं को ट्रेन किराया नहीं देना होगा। यात्रा की शुरुआत 4 जनवरी 2027 से होगी।

संस्थान की ओर से आयोजित इस विशेष रेल यात्रा के लिए बुकिंग शुरू होते ही श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

संयुक्त संयोजक राज लूणीया के निर्देशन में सुबह 10:31 बजे पंजीकरण काउंटर खोले गए और पहले ही दिन 600 से अधिक आवेदन फॉर्म जमा हो गए। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पंजीकरण से इस धार्मिक आयोजन के प्रति समाज की आस्था और उत्साह साफ नजर आया।

यात्रा के दौरान श्रद्धालु जैन धर्म के प्रमुख तीर्थ स्थलों सम्मेद शिखरजी, पावापुरी, राजगृही, कुंडलपुर, गुणायाजी, क्षत्रियकुंड, ऋजुबालिका और अयोध्या सहित कई पवित्र स्थलों के दर्शन और वंदन करेंगे। पूरे यात्रा संघ में लगभग 1100 श्रद्धालु एक साथ विशेष रेलगाड़ी से तीर्थ यात्रा करेंगे।

यात्रा की तैयारियों का औपचारिक शुभारंभ संस्थान परिसर में भगवान श्री शांतिनाथ प्रभु की पूजा–अर्चना और शंखनाद के साथ किया गया। आयोजन समिति के अनुसार यात्रा को सफल और आध्यात्मिक बनाने के लिए विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इनमें लड़ी आयम्बिल आराधना, सिद्धचक्र महापूजन, भक्ति संध्या और सांझी जैसे आयोजन शामिल हैं।

संस्थान के मंडल अध्यक्ष नवीन लूणीया और सचिव अमृत बलाई ने बताया कि इस विशाल यात्रा संघ के मुख्य संघपति का दायित्व सूरजकंवर (धर्मपत्नी पारसमल बोकाडिया परिवार, पाली) को सौंपा गया है। गौरतलब है कि इससे पहले संस्थान वर्ष 2012 और 2016 में भी सफल स्पेशल रेल यात्रा संघ का आयोजन कर चुका है। वर्ष 2020 में भी यात्रा की पूरी तैयारी कर ली गई थी, लेकिन कोरोना महामारी के कारण उसे स्थगित करना पड़ा था। अब वर्ष 2027 में एक बार फिर यह भव्य आयोजन होने जा रहा है, जिसे लेकर जैन समाज में विशेष उत्साह और श्रद्धा का माहौल है।

सम्पादकीय

कैंपस के पहरेदार बने नशे के सबसे बड़े सौदागर

कभी विश्वविद्यालयों के सुरक्षा गार्ड छात्रों की सुरक्षा का भरोसा होते थे। अब यदि वही गार्ड "दम चाहिए क्या?" पूछने लगें, तो समझिए शिक्षा के मंदिर की चौखट पर नशे ने स्थायी डेरा डाल दिया है। भोपाल की एक निजी यूनिवर्सिटी में ड्रग्स सप्लाई नेटवर्क का खुलासा केवल एक संस्थान की कहानी नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए खतरे की घंटी है।

विडंबना देखिए, एक तरफ सरकारें "नशा मुक्त भारत" और "नशे से दूरी है जरूरी" जैसे अभियान चलाती हैं, दूसरी ओर कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के बाहर नहीं, बल्कि भीतर ही नशे की दुकानें सज रही हैं। इससे बड़ा प्रशासनिक व्यंग्य और क्या होगा कि सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले ही युवाओं के भविष्य के सबसे बड़े दुश्मन बन जाएं।

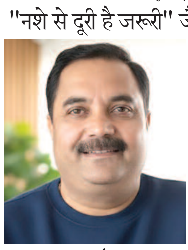

पवन गौतम
संपादक

उत्तर प्रदेश भी इस खतरे से अछूता नहीं है। नोएडा, गाजियाबाद, लखनऊ कानपुर, प्रयागराज, आगरा जैसे शिक्षा केंद्रों में हजारों छात्र देशभर से पढ़ने आते हैं। यदि मध्य प्रदेश से राजस्थान तक फैला ऐसा नेटवर्क एक विश्वविद्यालय में सक्रिय हो सकता है, तो यह मान लेना भूल होगी कि उत्तर प्रदेश के कॉलेज पूरी तरह सुरक्षित हैं। यहां भी समय रहते सतर्कता, नियमित जांच और खुफिया निगरानी की जरूरत है।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि तस्करों की नजर अब बड़े अपराधियों पर नहीं, बल्कि छात्रों पर है। पहले ग्राहक बनाया जाता है, फिर लत लगाई जाती है और अंत में वही युवा इस अवैध कारोबार की कड़ी बन जाता है। यह केवल कानून–व्यवस्था का नहीं, बल्कि समाज और शिक्षा व्यवस्था का भी संकट है।

व्यंग्य इस बात पर भी है कि विश्वविद्यालयों में प्रवेश के समय पहचान पत्र, बायोमेट्रिक और सुरक्षा जांच की लंबी प्रक्रिया होती है, लेकिन नशे की पुड़िया बिना किसी "एंट्री पास" के हॉस्टल तक पहुंच जाती है। यानी नियम सिर्फ ईमानदार छात्रों के लिए हैं, अपराधियों के लिए नहीं।

अब जरूरत केवल छापेमारी की नहीं, बल्कि विश्वविद्यालयों में एंटी-ड्रग इंटेलिजेंस सिस्टम, नियमित सुरक्षा ऑडिट, गार्डों का पुलिस सत्यापन और छात्रों के बीच जागरूकता अभियान चलाने की है। अभिभावकों, शिक्षकों और प्रशासन को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

क्योंकि यदि शिक्षा के परिसर नशे के अड्डे बन गए, तो डिग्रियां तो मिल जाएंगी, लेकिन देश का भविष्य खो जाएगा। विश्वविद्यालयों में किताबों की खुशबू रहनी चाहिए, स्मैक की नहीं।

नजरिया

भारतीयों के दिल की धड़कन 'आकाशवाणी'

रीलों के दौर में भी कायम रेडियो का विश्वास

बोध प्रकाश सगुणी

"यह आकाशवाणी है..."–यह केवल एक उद्घोषणा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की स्मृतियों में बसी एक ऐसी आवाज़ है, जिसने पीढ़ियों को जोड़ा है। आज जब भारत में रेडियो प्रसारण अपने 99 वर्ष पूरे कर शताब्दी वर्ष की ओर बढ़ रहा है, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या डिजिटल युग में भी रेडियो की प्रासंगिकता बची हुई है? उत्तर है–पहले से कहीं अधिक।

तकनीक बदली है, संचार के माध्यम बदल गए हैं, लेकिन विश्वास का माध्यम आज भी वही है। सोशल मीडिया पर सूचनाओं की बाढ़ है, पर सत्य की कमी है। हर मिनट हजारों पोस्ट, लाखों वीडियो और अनगिनत संदेश सामने आते हैं, जिनमें सच और झूठ का अंतर करना आम नागरिक के लिए कठिन होता जा रहा है। ऐसे समय में आकाशवाणी आज भी बिना शोर, बिना सनसनी और बिना टीआरपी की होड़ के देश की सबसे विश्वसनीय आवाज़ बनी हुई है।

मथुरा की बात करें तो यहां रेडियो केवल एक यंत्र नहीं, बल्कि संस्कृति का हिस्सा है। आज भी सुबह–सुबह कई घरों में चाय की पहली चुस्की के साथ आकाशवाणी से प्रसारित भजन सुनाई देते हैं। वृंदावन की गलियों में दुकानों पर एफएम रेडियो बजता है। गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर चलते श्रद्धालुओं के बीच कहीं कृष्ण भक्ति के गीत, तो कहीं समाचार बुलेटिन सुनाई पड़ जाते हैं। यह दृश्य बताता है कि बदलते समय के बावजूद रेडियो ने अपनी जगह नहीं छोड़ी। दरअसल, मथुरा जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक नगर के लिए रेडियो का महत्व हमेशा विशेष रहा है। जन्माष्टमी हो, बरसाना की लठामार होली, वृंदावन का फूलों का उत्सव या गोवर्धन की मुड़िया पूर्णिमा–इन आयोजनों की जानकारी वर्षों तक आकाशवाणी के माध्यम से ही दूर–दराज़ के गांवों और कस्बों तक पहुंचती रही। उस दौर में न इंटरनेट था, न मोबाइल ऐप और न सोशल मीडिया। फिर भी सूचनाएं समय पर पहुंचती थीं और सबसे बड़ी बात–उन पर भरोसा किया जाता था।

भारतीय इतिहास में रेडियो का योगदान किसी दस्तावेज़ से कम नहीं है। देश के विभाजन की घोषणा से लेकर स्वतंत्र भारत की पहली सुबह तक, पंडित जवाहरलाल नेहरू का ऐतिहासिक "ट्रिस्ट विद डेस्टिनी" भाषण हो या महात्मा गांधी का शरणार्थियों के नाम संदेश–इन सभी ऐतिहासिक क्षणों का साक्षी आकाशवाणी रही। आज़ादी के बाद देश निर्माण की यात्रा में भी इस माध्यम ने किसानों को खेती की जानकारी दी, विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ा, महिलाओं को जागरूक किया और दूर–दराज़ के गांवों तक सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाई। आज की पीढ़ी शायद यह कल्पना भी न कर सके कि एक समय ऐसा था जब पूरे गांव में केवल एक रेडियो होता था और समाचार सुनने के लिए लोग उसके आसपास एकत्र हो जाते थे। शाम सात बजे का समाचार किसी त्योहार से कम नहीं होता था। क्रिकेट कमेंट्री सुनते हुए लोग रेडियो को कान से लगाए बैठे रहते थे। मथुरा के गांवों में भी यही दृश्य आम था। खेतों में काम करते किसान ट्रांजिस्टर साथ लेकर चलते थे और मौसम, मंडी भाव तथा कृषि संबंधी कार्यक्रम सुनते थे। यह केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा था। अब जरा वर्तमान पर नजर डालिए। आज हर व्यक्ति की जेब में स्मार्टफोन है। हर कोई रिपोर्टर है, हर कोई विश्लेषक है और हर कोई विशेषज्ञ भी। सोशल मीडिया ने सूचना को लोकतांत्रिक बनाया, लेकिन जिम्मेदारी का भाव कम कर दिया। अफवाहें पहले कभी इतनी तेज़ी से नहीं फैलती थीं। किसी घटना का वीडियो पांच मिनट में लाखों लोगों तक पहुंच जाता है, चाहे वह सच हो या झूठ। ऐसे समय में आकाशवाणी की गंभीरता और विश्वसनीयता और अधिक मूल्यवान हो जाती है। थोड़ा व्यंग्य भी जरूरी है। आजकल लोग कहते हैं कि वे "कंटेंट क्रिएटर" हैं। सुबह उठते ही पहला काम कैमरा ऑन करना और दिन खत्म होने से पहले पांच रील डाल देना। दूसरी ओर, आकाशवाणी के उद्घोषकों ने दशकों तक अपनी आवाज़ से लोगों के दिलों में जगह बनाई, लेकिन अधिकांश श्रोताओं ने उनका चेहरा कभी नहीं देखा। आज चेहरा पहले दिखता है, भरोसा बाद में खोजा जाता है; तब भरोसा पहले बनता था, चेहरा जानने की जरूरत ही नहीं पड़ती थी।

मथुरा में धार्मिक आयोजनों के दौरान प्रशासनिक सूचनाओं के प्रसार में भी रेडियो की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। लाखों श्रद्धालुओं की आवाजाही वाले अवसरों पर मौसम, यातायात, सुरक्षा और जनसुविधाओं से जुड़ी सूचनाएं रेडियो के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रसारित होती रही हैं। आपदा या नेटवर्क बाधित होने की स्थिति में आज भी रेडियो सबसे भरोसेमंद संचार माध्यम माना जाता है। यही कारण है कि आधुनिक तकनीकों के बावजूद दुनिया के अधिकांश देशों ने रेडियो नेटवर्क को समाप्त नहीं किया।

ब्रज संस्कृति के संरक्षण में भी आकाशवाणी का योगदान अविस्मरणीय है। ब्रज भाषा के कार्यक्रम, रसिया, लोकगीत, कथाएं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां वर्षों तक रेडियो के माध्यम से घर–घर पहुंचती रहीं। यदि इन कार्यक्रमों का व्यवस्थित प्रसारण न हुआ होता, तो संभव है कि ब्रज की कई लोकधुनें और बोलियां आज इतनी व्यापक पहचान न बना पातीं। सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने का जो कार्य आकाशवाणी ने किया, वह किसी विश्वविद्यालय या संग्रहालय से कम नहीं है। आज जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) समाचार लिख रही है, एंकरिंग कर रही है और आवाज़ें भी बना रही है, तब भी एक मानवीय, जिम्मेदार और विश्वसनीय प्रसारण की आवश्यकता बनी रहेगी। तकनीक चाहे जितनी उन्नत हो जाए, समाज को ऐसे माध्यम की जरूरत हमेशा रहेगी जिस पर आंख मूंदकर भरोसा किया जा सके। आकाशवाणी ने लगभग एक शताब्दी तक यही भरोसा अर्जित किया है। यह भी सच है कि रेडियो को समय के साथ और आधुनिक बनना होगा। युवाओं के लिए अधिक रोचक काय क्रम, स्थानीय संस्कृति पर आधारित पॉडकास्ट, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मजबूत उपस्थिति और क्षेत्रीय भाषाओं में नवीन प्रयोग–ये कदम उसे आने वाले सौ वर्षों के लिए भी प्रासंगिक बनाए रखेंगे। मथुरा जैसे सांस्कृतिक नगरों में स्थानीय लोककला, धार्मिक पर्यटन, ब्रज भाषा और युवा प्रतिभाओं को रेडियो के माध्यम से नया मंच मिल सकता है। आकाशवाणी का शताब्दी वर्ष केवल एक संस्थान का उत्सव नहीं, बल्कि भारत के संवाद, संस्कृति और लोकतंत्र की उस यात्रा का उत्सव है जिसने हर पीढ़ी को जोड़ा है। जब भी इतिहास लिखा जाएगा, उसमें यह दर्ज होगा कि भारत की खुशियां, संघर्ष, युद्ध, चुनाव, त्योहार, संगीत, साहित्य और जनभावनाएं सबसे पहले जिस आवाज़ में गूंजीं, वह आकाशवाणी की आवाज़ थी। आज मोबाइल की घंटियां हर मिनट बजती हैं, नोटिफिकेशन लगातार आते रहते हैं और स्क्रीन पर सूचनाओं का शोर थमता नहीं। लेकिन इस शोर के बीच यदि कोई आवाज़ आज भी सुकून देती है, भरोसा जगाती है और भारत की आत्मा से जोड़ती है, तो वह है–"यह आकाशवाणी है..." सौ वर्ष पूरे होने से पहले आकाशवाणी को यही शुभकामना कि उसकी तरंगें यूं ही मथुरा की गलियों, ब्रज के गांवों और पूरे भारत के दिलों में विश्वास की धड़कन बनकर गूंजती रहें।

विचार विंडो

खेल का नया कोच बना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

राम प्रकाश शर्मा

खेल का मैदान हमेशा से मेहनत, अनुशासन, प्रतिभा और संघर्ष का प्रतीक रहा है। खिलाड़ी वर्षों तक पसीना बहाते हैं, हार से सीखते हैं और जीत का सपना लेकर मैदान में उतरते हैं। लेकिन अब खेल की दुनिया में एक नया खिलाड़ी उतर चुका है–आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)। यह खिलाड़ी न दौड़ता है, न गेंद फेंकता है और न ही गोल करता है, लेकिन खेल की दिशा और दशा बदलने की क्षमता जरूर रखता है।

आज क्रिकेट से लेकर फुटबॉल, हॉकी, बैडमिंटन, कबड्डी और एथलेटिक्स तक लगभग हर खेल में एआई का इस्तेमाल हो रहा है। खिलाड़ी के हर कदम, हर शॉट, हर स्पिन, हर गति और हर गलती का विश्लेषण अब कुछ ही सेकंड में संभव है। पहले जहां कोच अपने अनुभव के आधार पर खिलाड़ी की कमजोरी पहचानते थे, वहीं अब एआई हजारों आंकड़ों का विश्लेषण करके बताता है कि खिलाड़ी को किस क्षेत्र में सुधार की जरूरत है।

भारत भी इस तकनीकी बदलाव से अछूता नहीं है। क्रिकेट में एआई आधारित स्मार्ट गेंदें, प्रदर्शन विश्लेषण करने वाले प्लेटफॉर्म, लाइव डेटा एनालिटिक्स और फिटनेस ट्रैकिंग सिस्टम तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। कई भारतीय कंपनियां ऐसी तकनीक विकसित कर रही हैं जो खिलाड़ियों की गति, स्पिन, शॉट चयन और फिटनेस का वैज्ञानिक विश्लेषण कर कोचों को विस्तृत रिपोर्ट देती हैं। इससे प्रशिक्षण अधिक प्रभावी और परिणाम बेहतर हो रहे हैं।

एआई का सबसे बड़ा लाभ यह है कि वह मानवीय आंखों से छूट जाने वाली छोटी–से–छोटी बारीकी भी पकड़ लेता है। गेंदबाज की कलाई का कोण, बल्लेबाज के पैर की स्थिति, धावक की गति में मामूली बदलाव या खिलाड़ी की थकान तक का आकलन अब मशीनें कर सकती हैं। इससे चोटों की संभावना कम करने और प्रदर्शन बेहतर बनाने में मदद मिल रही है। ग्रामीण भारत के लिए भी एआई नई संभावनाएं लेकर आया है।

मोबाइल आधारित प्लेटफॉर्म दूरदराज़ के प्रतिभाशाली बच्चों का परीक्षण कर उनकी क्षमता का प्रारंभिक आकलन कर रहे हैं। जिन खिलाड़ियों तक बड़े कोच या आधुनिक अकादमियां नहीं पहुंच पाती थीं, वहां अब तकनीक पहुंच रही है। यदि इसका सही उपयोग किया जाए तो भारत को भविष्य में अनेक विश्वस्तरीय खिलाड़ी मिल सकते हैं।

लेकिन हर तकनीक की तरह एआई के साथ भी कुछ गंभीर सवाल जुड़े हैं।

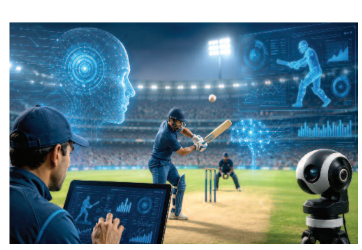

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या खिलाड़ी का भविष्य केवल आंकड़ों से तय किया जा सकता है? क्या कोई मशीन यह तय कर सकती है कि कौन खिलाड़ी दबाव में बेहतर प्रदर्शन करेगा? क्या एआई किसी खिलाड़ी के आत्मविश्वास, संघर्ष, जिद और मानसिक मजबूती को पूरी तरह समझ सकता है? उत्तर स्पष्ट है–नहीं।

खेल केवल तकनीक नहीं, बल्कि भावनाओं, साहस और परिस्थितियों से लड़ने की कला भी है। इतिहास गवाह है कि कई ऐसे खिलाड़ी विश्व चैंपियन बने, जिन्हें शुरुआती दौर में किसी ने गंभीरता से नहीं लिया था। यदि केवल डेटा के आधार पर चयन होता, तो शायद वे कभी राष्ट्रीय टीम तक भी नहीं पहुंच पाते।

यही कारण है कि एआई को निर्णय लेने वाला नहीं, बल्कि निर्णय में सहायता करने वाला माध्यम बनाया जाना चाहिए। अंतिम फैसला हमेशा अनुभवी कोच, चयनकर्ता और खेल विशेषज्ञों के हाथ में होना चाहिए।

एक और चिंता आर्थिक असमानता की है। विकसित देशों की खेल संस्थाओं के पास अत्याधुनिक एआई सिस्टम, बायोमेट्रिक सेंसर और डेटा वैज्ञानिकों की पूरी टीम है। दूसरी ओर, विकासशील देशों और छोटे खेल संगठनों के पास ऐसे संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। यदि भविष्य में सफलता का आधार केवल तकनीक बन गया, तो अमीर और गरीब देशों के बीच खेल का अंतर और बढ़ सकता है।

डेटा सुरक्षा भी एक बड़ी चुनौती है। खिलाड़ियों की फिटनेस रिपोर्ट, रणनीति, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित रहती है। यदि यह जानकारी गलत हाथों में पहुंच जाए, तो किसी भी टीम की रणनीति प्रभावित हो सकती है। इसलिए खेल संगठनों को साइबर सुरक्षा पर भी उतना ही ध्यान देना होगा, जितना खिलाड़ी की फिटनेस पर देते हैं।

एक खतरा यह भी है कि कहीं खिलाड़ी मशीनों पर जरूरत से ज्यादा निर्भर न हो जाएं। यदि हर रणनीति एआई बताएगा और हर निर्णय कंप्यूटर करेगा, तो खिलाड़ी की स्वाभाविक सोच और परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेने की क्षमता कमजोर हो सकती है।

खेल का रोमांच इसी बात में है कि खिलाड़ी मैदान पर पल भर में हालात बदल देता है। यह क्षमता किसी एल्गोरिदम में नहीं समाई जा सकती।भारत जैसे देश के लिए संतुलित दृष्टिकोण सबसे जरूरी है। हमें एआई को अपनाना चाहिए क्योंकि आधुनिक खेलों में तकनीक से दूरी बनाकर विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना कठिन होगा। लेकिन यह भी सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक प्रतिभा पर हावी न हो। एआई का उपयोग प्रशिक्षण, फिटनेस, रणनीति और विश्लेषण तक सीमित रहे, जबकि खिलाड़ी का चयन उसके प्रदर्शन, मानसिक मजबूती और वास्तविक क्षमता के आधार पर ही हो।

खेल मंत्रालय और राष्ट्रीय खेल महासंघों को ऐसी नीति बनानी चाहिए जिसमें एआई का लाभ देश के हर खिलाड़ी तक पहुंचे। केवल बड़े शहरों या महंगी अकादमियों तक सीमित तकनीक भारत की खेल प्रतिभाओं के साथ न्याय नहीं कर पाएगी। गांवों और छोटे कस्बों के खिलाड़ियों को भी समान अवसर मिलना चाहिए।

आखिरकार, खेल का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी अनिश्चितता है। कभी कमजोर टीम भी चैंपियन बन जाती है, कभी नया खिलाड़ी रिकॉर्ड तोड़ देता है और कभी आखिरी गेंद पूरी कहानी बदल देती है। यही खेल की असली सुंदरता है। यदि हर परिणाम पहले से डेटा और एल्गोरिदम तय करने लगें, तो खेल केवल गणित बनकर रह जाएगा।

564 पदकों का दम, अब ग्लासगो में नई उड़ान

क्या फिर चमकेगा भारत का कॉमनवेल्थ अभियान

यूनिक समय, नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का आगाज स्कॉटलैंड के ग्लासगो में हो चुका है और एक बार फिर करोड़ों भारतीयों की निगाहें अपने खिलाड़ियों पर टिकी हैं। 74 देशों के तीन हजार से अधिक एथलीट 10 खेलों के 215 पदक मुकाबलों में हिस्सा ले रहे हैं।

भारत भी लगभग 125 खिलाड़ियों के मजबूत दल के साथ मैदान में उतरा है। हालांकि इस बार कई ऐसे खेलों को कार्यक्रम से बाहर रखा गया है, जिनमें भारत परंपरागत रूप से सबसे ज्यादा पदक जीतता रहा है। ऐसे में पिछले संस्करणों की तुलना में पदकों की संख्या कुछ कम रहने की संभावना जताई जा रही है, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद बरकरार है।

कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास पर नजर डालें तो भारत अब तक कुल 564 पदक अपने नाम कर चुका है। इनमें 203 स्वर्ण, 190 रजत और 171 कांस्य पदक शामिल हैं। भारत इस प्रतिष्ठित बहु-खेल प्रतियोगिता में 19वीं बार हिस्सा ले रहा है और हर संस्करण के साथ उसका प्रदर्शन बेहतर होता गया है। भारतीय खेल इतिहास में सबसे यादगार प्रदर्शन वर्ष 2010 में नई दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स में देखने को मिला था, जब मेजबान भारत ने 38 स्वर्ण, 27 रजत और 36 कांस्य सहित कुल 101 पदक जीतकर नया कीर्तिमान बनाया था। इसके बाद 2014 ग्लासगो में भारत ने 64, 2018 गोल्ड कोस्ट में 66 और 2022 बर्मिंघम में 61 पदक अपने नाम किए थे।

इस बार भारतीय दल में कई ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं, जिनसे पदक की मजबूत उम्मीद की जा रही है। ओलंपिक और विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना चुके नीरज चोपड़ा, वेटलिफ्टर मीराबाई चानू, मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन और लंबी कूद के स्टार मुरली श्रीशंकर पर सबकी नजरें रहेंगी।

हालांकि कुछ पारंपरिक भारतीय खेल इस बार प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं हैं, जिससे पदकों की संख्या प्रभावित हो सकती है। इसके बावजूद भारतीय दल का लक्ष्य अधिक से अधिक पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाना और कॉमनवेल्थ खेलों के इतिहास में एक और सफल अध्याय जोड़ना रहेगा। ग्लासगो में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन यह तय करेगा कि 2010 जैसी सुनहरी यादें फिर दोहराई जा सकती हैं या नहीं।

'टूटे दिल' वाले कैप्शन ने बढ़ाई हलचल

ईशा रिखी की पोस्ट के बाद बादशाह की शादी पर उठे सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। रैपर बादशाह और उनकी पत्नी अभिनेत्री ईशा रिखी एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार वजह कोई नया प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि ईशा की एक सोशल मीडिया पोस्ट है, जिसने फैंस के बीच कई तरह की अटकलों को जन्म दे दिया है। शादी के करीब चार महीने बाद साझा किए गए इस भावुक वीडियो और उसके कैप्शन को देखकर सोशल मीडिया पर दोनों के रिश्ते को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि अब तक बादशाह या ईशा की ओर से किसी भी तरह की आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ईशा रिखी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें बादशाह के साथ उनकी कई निजी और यादगार झलकियां दिखाई गई हैं। वीडियो में

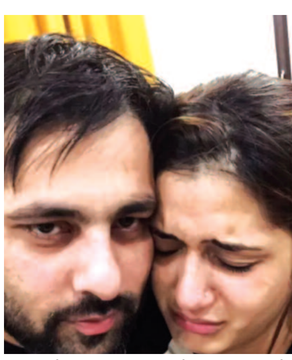

शादी के पल, परिवार के साथ तस्वीरें और अंत में ईशा का भावुक होकर रोना तथा बादशाह का उन्हें गले लगाना नजर आता है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा, "हर तूफान एक सबक है, हर प्रार्थना एक उम्मीद है," और साथ में टूटे दिल तथा हाथ जोड़ने वाले इमोजी भी लगाए। बस यही कैप्शन सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बन गया। पोस्ट सामने आते ही कमेंट सेक्शन में फैंस ने सवालों की बौछार कर दी। कई लोगों ने पूछा कि आखिर दोनों के बीच क्या हुआ, जबकि कुछ यूजर्स ने यह तक कयास लगा दिए कि शायद दोनों के रिश्ते में दरार आ गई है। चर्चा को उस वक्त और हवा मिली जब लोगों ने दावा किया कि बादशाह और ईशा अब इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को फॉलो भी नहीं कर रहे हैं। हालांकि इन अटकलों की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

बता दें कि ईशा रिखी और बादशाह ने इसी साल गुरुद्वारे में निजी समारोह में शादी की थी। इससे पहले बादशाह की शादी जैस्मीन मसीह से हुई थी, जिनसे उनका 2020 में तलाक हो गया था। उनकी एक बेटी भी है, जो अपनी मां के साथ लंदन में रहती है। फिलहाल ईशा की पोस्ट ने सोशल मीडिया पर हलचल जरूर मचा दी है, लेकिन दोनों के रिश्ते को लेकर किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले आधिकारिक बयान का इंतजार करना ही उचित होगा।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की तारीख तय

द ओवल में बजेगा टेस्ट क्रिकेट का रणभेरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र के फाइनल की तारीख और मेजबान मैदान का आधिकारिक ऐलान कर दिया है।

टेस्ट क्रिकेट की सबसे प्रतिष्ठित खिताबी भिड़ंत 9 से 13 जून 2027 के बीच इंग्लैंड के ऐतिहासिक द ओवल मैदान पर खेली जाएगी। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि फाइनल में कौन-सी दो टीमें आमने-सामने होंगी, लेकिन मौजूदा अंक तालिका को देखते हुए शीर्ष स्थानों की जंग बेहद रोमांचक होती जा रही है। खास बात यह है कि पहली बार डब्ल्यूटीसी का फाइनल द ओवल में आयोजित होगा। इससे पहले सभी फाइनल इंग्लैंड में हुए, लेकिन अलग-अलग मैदानों पर खेले गए थे।

मौजूदा अंक तालिका में ऑस्ट्रेलिया शानदार प्रदर्शन के दम पर शीर्ष पर काबिज है। टीम ने अब तक खेले आठ मैचों में सात जीत दर्ज कर 87.50 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका चार मैचों में तीन जीत के साथ 75.00 पीसीटी लेकर दूसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड तीसरे और बांग्लादेश चौथे स्थान पर मौजूद हैं। भारतीय टीम फिलहाल पांचवें स्थान पर है, जिसने अब तक नौ टेस्ट में चार जीत, चार हार और एक ड्रॉ के साथ 48.15 पीसीटी अर्जित किया है। ऐसे में फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए भारत को आगामी मुकाबलों में लगातार बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

भारतीय टीम के लिए अगली बड़ी परीक्षा अगस्त में श्रीलंका दौरे पर होगी, जहां दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। यह सीरीज भी विश्व

टीम इंडिया के सामने वापसी की बड़ी चुनौती

टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है और भारत के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। यदि टीम इस दौरे पर मजबूत प्रदर्शन करती है तो अंक तालिका में उसकी स्थिति बेहतर हो सकती है। हालांकि श्रीलंका को उसकी घरेलू परिस्थितियों में हराना आसान नहीं माना जाता। डब्ल्यूटीसी का फाइनल टेस्ट क्रिकेट की सबसे बड़ी परीक्षा माना जाता है, जहां दो वर्षों के प्रदर्शन का नतीजा एक मुकाबले में तय होता है। ऐसे में सभी टीमों की नजरें अब अंक तालिका में शीर्ष दो स्थान हासिल करने पर होंगी। क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि भारतीय टीम भी वापसी करते हुए खिताबी दौड़ में मजबूती से अपनी दावेदारी पेश करेगी।

पहले ठुकराया, फिर बना अमर गीत

लता मंगेशकर की आवाज ने 'बिंदिया चमकेगी' को दिया सदाबहार मुकाम

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा के सदाबहार गीतों की बात हो और 'बिंदिया चमकेगी, चूड़ी खनकेगी' का जिक्र न आए, ऐसा शायद ही कभी हो। वर्ष 1969 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'दो रास्ते' का यह गीत आज भी शादी-ब्याह, संगीत समारोहों और पारिवारिक आयोजनों की पहली पसंद बना हुआ है। राजेश खन्ना और मुमताज पर फिल्माया गया यह गाना अपनी मधुर धुन, खूबसूरत बोल और लता मंगेशकर की जादुई आवाज की बदौलत दशकों बाद भी लोगों के दिलों में बसा हुआ है।

हालांकि बहुत कम लोग जानते हैं कि इस अमर गीत को गाने के लिए लता मंगेशकर ने शुरुआत में हामी नहीं भरी थी। कहा जाता है कि लता मंगेशकर अपने गीतों के चयन को लेकर बेहद सजग रहती थीं। जब संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल यह गीत लेकर उनके पास पहुंची, तो उन्होंने इसे गाने में खास रुचि नहीं दिखाई। माना जाता है कि उन्हें लगा था कि यह गीत उनके स्तर के अनुरूप प्रभावशाली नहीं है। लेकिन बाद में जब उन्होंने इसकी रिकॉर्डिंग की, तो अपनी मधुर आवाज और भावपूर्ण प्रस्तुति से इस गीत में ऐसी जान फूंक दी कि यह उनके करियर के सबसे यादगार गीतों में शामिल हो गया। खासकर गाने के बीच सुनाई देने वाली उनकी खिलखिलाहट आज भी इसकी सबसे बड़ी पहचान मानी जाती है।

फिल्म 'दो रास्ते' भी बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता साबित हुई और राजेश खन्ना-मुमताज की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इस गीत की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसके लिए लता मंगेशकर को फिल्मफेयर अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका का सम्मान भी मिला। करीब 57 साल बाद भी 'बिंदिया चमकेगी' अपनी मधुरता और यादगार प्रस्तुति के कारण संगीत प्रेमियों की पसंद बना हुआ है और भारतीय सिनेमा के स्वर्णिम गीतों में शुमार किया जाता है।

'जन नायकन' की एंट्री पर फैंस का महाजश्न

विजय की आखिरी फिल्म ने पहले दिन मचाई धूम

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिल सुपरस्टार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जन नायकन' रिलीज होते ही सिनेमाघरों में जश्न का माहौल देखने को मिला। अभिनेता के फिल्मी करियर की आखिरी मानी जा रही इस फिल्म को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह नजर आया। चेन्नई समेत तमिलनाडु के कई शहरों में थिएटरों के बाहर बड़ी संख्या में प्रशंसक जुटे, जहां ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी, लेजर शो और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ फिल्म का स्वागत किया गया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो इस बात की गवाही दे रहे हैं कि 'थलपति' विजय का क्रेज पहले की तरह बरकरार है।

चेन्नई के वुडलैंड्स, कैसीनो और अन्य प्रमुख सिनेमाघरों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। देर रात ड्रोन शो का आयोजन भी हुआ, जबकि शहर के प्रमुख चौराहों और थिएटरों के बाहर विजय के विशाल कटआउट लगाए गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विजय ने भी रिलीज से पहले अधिकारियों के साथ फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग देखी। फिल्म में पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, ममिता बैजू, गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज और नारायण जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

फिल्म को लेकर उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 25वें दिन यानी 16 अगस्त के सेलिब्रेशन शो के टिकट महज पांच मिनट में बिक गए। तमिलनाडु के परिवहन मंत्री विजय तमिलन पार्थिबन ने फिल्म की रिलीज को दिवाली और पोंगल जैसा उत्सव बताया। वहीं टीवीके विधायक के.वी. विजयधामु ने कहा कि वह इस फिल्म को एक आम प्रशंसक की तरह देखने जाएंगे। एच. विनोथ के निर्देशन में बनी 'जन नायकन' को विजय की राजनीति में पूर्णकालिक प्रवेश से पहले उनकी आखिरी फिल्म माना जा रहा है। ऐसे में यह फिल्म सिर्फ एक सिनेमाई रिलीज नहीं, बल्कि उनके प्रशंसकों के लिए भावनात्मक विदाई का प्रतीक भी बन गई है।

राम मंदिर ट्रस्ट का बड़ा फैसला, देशभर के पुजारियों को मिलेगी नि:शुल्क ट्रेनिंग

यूनिक समय, अयोध्या। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंदिरों की पूजा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। अब देशभर के पुजारियों को अयोध्या में वैदिक और रामानंदी परंपरा के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए राम मंदिर परिसर में स्थायी पुजारी प्रशिक्षण पाठशाला बनाने की योजना तैयार की जा रही है।

ट्रस्ट की बैठक में निर्णय लिया गया कि यह प्रशिक्षण पूरी तरह निशुल्क होगा। प्रशिक्षण लेने वाले बटुकों के रहने और भोजन की व्यवस्था भी ट्रस्ट की ओर से की जाएगी। ट्रस्ट का मानना है कि अयोध्या से प्रशिक्षित पुजारी जब देश-विदेश के मंदिरों में सेवा देंगे तो

अयोध्या में बनेगा स्थायी प्रशिक्षण केंद्र रहने-खाने की जिम्मेदारी ट्रस्ट की

राम मंदिर की धार्मिक परंपराओं और पूजा पद्धति को नई पहचान मिलेगी।

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि ने बताया कि इससे पहले भी एक साल का पुजारी प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया था, जिसमें करीब 30 पुजारियों को तैयार किया गया था। अब इस व्यवस्था को स्थायी रूप देने का फैसला किया गया है। प्रशिक्षण केंद्र में पुजारियों को केवल मंत्रोच्चारण ही नहीं, बल्कि मंदिर संचालन से जुड़ी अन्य व्यवस्थाओं की भी जानकारी दी जाएगी। इसमें वैदिक पूजा पद्धति, मंत्रों का शुद्ध उच्चारण, धार्मिक अनुष्ठानों की विधि, मंदिर प्रबंधन, अनुशासन और आचार-संहिता का प्रशिक्षण शामिल होगा। राम मंदिर परिसर में वर्तमान में 14 मंदिर हैं और भविष्य में यहां प्रशिक्षित पुजारियों की आवश्यकता बढ़ेगी। इसी को देखते हुए स्थायी प्रशिक्षण केंद्र बनाने की योजना बनाई गई है। ट्रस्ट ने धार्मिक व्यवस्थाओं के लिए नौ सदस्यीय समिति भी गठित की है। यह समिति पूजा-पद्धति, पर्वों के आयोजन, वेदपाठ और धार्मिक अनुष्ठानों की निगरानी करेगी।

बैठक में मंदिर सुरक्षा, चढ़ावे की जांच और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर भी कई फैसले लिए गए। ट्रस्ट ने पहली बार आधिकारिक प्रवक्ता नियुक्त करने का निर्णय लिया है, ताकि मंदिर से जुड़ी सभी जानकारियां एक माध्यम से लोगों तक पहुंचाई जा सकें।

चित्रकूट में बॉयफ्रेंड को बंधक बनाकर नीट छात्रा से गैंगरेप

यूनिक समय, चित्रकूट। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां घूमने आई नीट की तैयारी कर रही 20 वर्षीय छात्रा के साथ कथित तौर पर तीन युवकों ने गैंगरेप किया। आरोप है कि वारदात के दौरान छात्रा के साथ मौजूद उसके बॉयफ्रेंड को बंधक बनाकर पीटा गया और उसके हाथ-पैर बांध दिए गए।

पुलिस के अनुसार, घटना देवांगना घाटी जंगल क्षेत्र की है। छात्रा मध्य प्रदेश के सतना की रहने वाली है और राजस्थान के कोटा में रहकर नीट की तैयारी कर रही थी। वह अपने दोस्त के साथ चित्रकूट घूमने पहुंची थी। दोनों पहाड़ी पर बैठकर बातचीत और रील बना रहे थे, तभी तीन युवक वहां पहुंचे। आरोप है कि युवकों ने खुद को वनकर्मी बताकर दोनों को धमकाया। विरोध करने पर छात्रा के दोस्त के साथ मारपीट की गई और उसे बांध दिया गया। इसके बाद आरोपी छात्रा को झाड़ियों की ओर ले गए और वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। छात्रा के दोस्त ने किसी तरह खुद को छुड़ाया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को अस्पताल पहुंचाया। छात्रा का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है, जबकि उसके नाबालिग दोस्त का भी मेडिकल कराया जाएगा। पुलिस ने मामले में

जांच में जुटी पुलिस वनकर्मी बताकर की वारदात

एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। एक फुटेज में तीन संदिग्ध बाइक से जाते दिखाई दिए हैं। पुलिस ने जांच के लिए कई टीमें गठित की हैं।

एडीजी जोन ज्योति नारायण ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों से जांच की जानकारी ली। वहीं, सपा विधायक अनिल प्रधान ने घटना को लेकर सरकार और पुलिस प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

बीजेपी विधायक के घेराव से पहले सपाइयों को पुलिस ने रोका

यूनिक समय, आगरा। आगरा में भाजपा विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल के खिलाफ प्रदर्शन करने जा रहे सपा कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोक दिया। विधायक के आवास का घेराव करने पहुंचे सपाइयों और पुलिस के बीच काफी देर तक नोकझोंक हुई।

मामला सपा नेता नितिन कोहली के विरोध प्रदर्शन से जुड़ा है। उन्होंने भाजपा विधायक की सोशल मीडिया पोस्ट को आपत्तिजनक बताते हुए माफी की मांग की थी। नितिन कोहली का आरोप है कि विधायक ने मैनपुरी सांसद डिंपल यादव को लेकर गलत टिप्पणी की और सपा की छवि खराब करने की कोशिश की।

गुरुवार को सपा शहर अध्यक्ष शब्बीर अब्बास समेत कई नेता और

डिंपल यादव टिप्पणी विवाद में बढ़ा राजनीतिक तनाव

कार्यकर्ता नितिन कोहली के घर पहुंचे। वहां से सभी विधायक के आवास का घेराव करने निकलने वाले थे, लेकिन पुलिस ने पहले ही बैरिकेडिंग कर रास्ते बंद कर दिए।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया। करीब एक घंटे तक माहौल तनावपूर्ण रहा। बाद में एडीसीपी हिमांशु गौरव मौके पर पहुंचे और सपा नेताओं से ज्ञापन लेकर मामला शांत कराया। सपा नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि विधायक माफी नहीं मांगते हैं तो आगे भी विरोध जारी रहेगा।

90 वर्षीय सपा विधायक आलमबदी आजमी का निधन

यूनिक समय, आजमगढ़ । समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और देश के सबसे उम्रदराज विधायकों में शामिल आलमबदी आजमी का 90 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने बुधवार देर रात आजमगढ़ स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। वह पिछले कई महीनों से बीमार चल रहे थे और उनका इलाज लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भी कराया जा रहा था। आलमबदी आजमी आजमगढ़ की

पांच बार जीते चुनाव, गांधीवादी छवि के थे नेता

निजामाबाद विधानसभा सीट से पांच बार विधायक रहे। अपनी सादगी और गांधीवादी छवि के लिए पहचाने जाने वाले आलमबदी आजमी समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव और पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के करीबी नेताओं में गिने जाते थे। कुछ महीने पहले वह स्कूटर से विधानसभा पहुंचे थे, जिसके बाद उनकी सादगी की काफी चर्चा थी। उम्र के इस पड़ाव में भी उनकी सक्रियता ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया था। उनके निधन के बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा की चार सीटें खाली हो गई हैं। इनमें तीन सीटें समाजवादी पार्टी और एक सीट भाजपा के खाते की है। हालांकि, विधानसभा चुनाव में एक साल से कम समय बचने के कारण इन सीटों पर उपचुनाव नहीं कराया जाएगा। आलमबदी आजमी को अंतिम विदाई देने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। शाम चार बजे उनकी जनाजे की नमाज अदा कर उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

आगरा में पति ने पत्नी का गला घोंटा, आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, आगरा। आगरा के ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां शराब के नशे में पति ने पत्नी की रस्सी से गला घोंटकर हत्या की कोशिश की। महिला को मरा हुआ समझकर आरोपी मौके से फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी सोनू तोमर ने अपनी बहन के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। बेहोश हालत में पड़ी महिला को बाद में उसकी ननद ने अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी

शराब के नशे में वारदात

हालत गंभीर बनी हुई है।

पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी पति को 80 फुटा रोड के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

योगी ने गोरखपुर फ्लाईओवर का किया लोकार्पण

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गोरखपुर के पहले सिक्सलेन फ्लाईओवर का लोकार्पण किया। करीब 429 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस फ्लाईओवर से शहर के प्रमुख इलाकों में यातायात व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 995 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के सांसद रवि किशन की मजाकिया अंदाज में चुटकी ली। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान उन्होंने रवि किशन को पानी में उतरकर खुद नाली साफ करते देखा था। सीएम ने कहा कि यदि नालों से अतिक्रमण हट जाए, तो जलभराव की समस्या अपने आप कम हो जाएगी। योगी आदित्यनाथ ने लोगों से जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की अपील की। उन्होंने कहा कि नालियों पर कब्जा करने से पानी की निकासी प्रभावित होती है, जिससे जलभराव और बीमारियों का खतरा बढ़ता है। उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक से बचने और कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने की अपील भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले गोरखपुर को मच्छर और माफिया के लिए जाना जाता था, लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। उन्होंने दावा किया कि बेहतर कानून व्यवस्था और विकास कार्यों के कारण शहर में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़े हैं। सांसद रवि किशन ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 2017 से पहले गोरखपुर में जाम और

रवि किशन पर चुटकी विकास कार्यों की चर्चा

गोरखपुर को मिला पहला सिक्सलेन फ्लाईओवर, योगी ने गिनाईं उपलब्धियां

अव्यवस्थाओं की समस्या थी, लेकिन अब शहर तेजी से बदल रहा है। उन्होंने फ्लाईओवर को क्षेत्र के विकास में बड़ा कदम बताया। सीएम योगी ने कहा कि बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर से आवागमन आसान होता है और इससे विकास की गति बढ़ती है। उन्होंने कहा कि यह फ्लाईओवर लाखों लोगों को राहत देगा और गोरखपुर के विकास को नई दिशा देगा।

आगरा में पुल से लटका युवक, सुसाइड नोट मिला

यूनिक समय, आगरा। आगरा के बसई अरेला थाना क्षेत्र में एक युवक ने पुल से फंदा लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। अरनौटा पुल पर लटके युवक को राहगीरों ने समय रहते रस्सी से ऊपर खींचकर बचा लिया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल भेजा गया है। युवक की पहचान 24 वर्षीय धीरज कुमार के रूप में हुई है। उसकी जेब से मिले सुसाइड नोट में ससुराल पक्ष पर मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए गए हैं। युवक ने कर्ज और पारिवारिक विवाद का भी जिक्र किया है। पुलिस ने नोट कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नीट पेपर लीक पर एक्शन में केंद्र सरकार

चार शहरों में बनेंगे फास्ट ट्रैक कोर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीट पेपर लीक विवाद के बीच केंद्र सरकार ने परीक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और दोषियों पर जल्द कार्रवाई के लिए बड़ा कदम उठाने की तैयारी की है। सूत्रों के अनुसार, देश के चार शहरों में पेपर लीक मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाएंगे। इन अदालतों में मामलों की रोजाना सुनवाई कर जल्द फैसला सुनाने की योजना है।

जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र के औरंगाबाद और नागपुर, पश्चिम बंगाल के कोलकाता और मध्य प्रदेश के जबलपुर में पेपर लीक से जुड़े मामले दर्ज हुए हैं।

केंद्र सरकार इन राज्यों के मुख्य न्यायाधीशों को फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन को लेकर पत्र भेज सकती है। उद्देश्य है कि जांच और न्यायिक प्रक्रिया को तेज किया जाए, ताकि छात्रों के भविष्य से जुड़े मामलों में जल्द न्याय मिल सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पेपर लीक मामलों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को जल्द से जल्द कठोर सजा दिलाने के लिए

रोजाना सुनवाई से दोषियों को जल्द सजा

जरूरी कदम उठाए जाएं।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। सरकार का दावा है कि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए लगातार सुधार किए जा रहे हैं।

वहीं, नीट पेपर लीक मामले को लेकर विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है। जंतर-मंतर से संसद तक विरोध प्रदर्शन जारी है। विपक्ष संसद में चर्चा और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहा है।

कटिहार में नीट पेपर लीक विरोध प्रदर्शन हुआ उग्र

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के कटिहार में नीट पेपर लीक मामले को लेकर गुरुवार को छात्रों का प्रदर्शन हिंसक हो गया। सैकड़ों छात्र समाहरणालय पहुंचकर निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन करने लगे। स्थिति तब बिगड़ गई जब प्रदर्शनकारियों ने समाहरणालय के मुख्य गेट को तोड़कर परिसर में प्रवेश करने का प्रयास किया।

गेट पर तैनात पुलिसकर्मियों ने छात्रों को रोकने की कोशिश की, जिससे दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। इसके बाद कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर ईंट-पत्थर फेंके, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही

समाहरणालय गेट तोड़ने की छात्रों ने की कोशिश

लाठीचार्ज के बाद पथराव बढ़ी सुरक्षा व्यवस्था

अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। काफी मशक्कत के बाद हालात पर काबू पाया गया और समाहरणालय परिसर को पुलिस छावनी में बदल दिया गया। पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

पुलिस अब घटनास्थल के वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों की जांच कर प्रदर्शन में शामिल लोगों की पहचान कर रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और कानून-व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जंतर-मंतर प्रदर्शन में हिंसा पुलिसकर्मियों पर हमला

पथराव, मिर्ची स्प्रे और नुकीली वस्तु से वार

नीट विरोध प्रदर्शन में बिगड़े हालात, छह पुलिसकर्मी घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहा प्रदर्शन बुधवार देर रात अचानक हिंसक हो गया। दिनभर शांतिपूर्ण तरीके से चल रहे आंदोलन के दौरान रात में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई। इस दौरान पथराव, मिर्ची स्प्रे के इस्तेमाल और पुलिसकर्मियों पर नुकीली वस्तु से हमले की घटनाएं सामने आईं।

पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों की ओर से किए गए पथराव में दो सहायक पुलिस आयुक्त समेत छह पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि कनॉट प्लेस के एसीपी विवेक भगत पर भीड़ ने हमला किया, जिससे उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

घायल पुलिसकर्मियों में एक मुख्य आरक्षक भी शामिल है, जिस पर भीड़ के बीच नुकीली वस्तु से हमला किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शन स्थल पर कुछ असामाजिक तत्व भी शामिल हो गए थे, जिन्होंने माहौल खराब किया।

घटना के बाद मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स को तैनात किया गया। हालात काबू में करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज भी किया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों दोनों पक्षों के कुछ लोग घायल हुए हैं।

प्रदर्शनकारी नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। जंतर-मंतर के अलावा देश के कई शहरों में भी विरोध प्रदर्शन हुए।

दिल्ली पुलिस ने इस मामले में अब तक 10 एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है और हिंसा में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार का सम्मान किया जाएगा, लेकिन कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सरकार का प्रस्ताव ठुकराया, वांगचुक ने दिए संकेत

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे सीजेपी आंदोलन को लेकर अब सुलह की संभावनाएं दिखाई देने लगी हैं।

सरकार की ओर से प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत का प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन संगठन के नेतृत्व ने इसे फिलहाल ठुकरा दिया। हालांकि, सोनम वांगचुक के बयान के बाद संवाद का रास्ता खुलने के संकेत मिले हैं।

वांगचुक ने कहा कि यदि प्रदर्शनकारियों पर दर्ज मुकदमे वापस लिए जाते हैं, तो आंदोलन को कुछ समय के लिए रोककर सरकार से बातचीत शुरू करने की अपील की जा सकती है। शिक्षा व्यवस्था में सुधार और पेपर लीक जैसे मुद्दों को लेकर शुरू हुआ यह प्रदर्शन लगातार चर्चा में बना हुआ है। अब सबकी नजर सरकार और आंदोलनकारियों के बीच होने वाली संभावित बातचीत और आगे की रणनीति पर टिकी है।

छात्रों के समर्थन में 26 जुलाई को मुंबई में ठाकरे बंधुओं का संयुक्त मोर्चा

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र में पेपर लीक विवाद और छात्रों के आंदोलन के बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने 26 जुलाई को मुंबई में संयुक्त मोर्चा निकालने की घोषणा की है। दोनों नेताओं ने कहा कि यह प्रदर्शन छात्रों और उनके अभिभावकों की आवाज सरकार तक पहुंचाने के लिए आयोजित किया जाएगा।

संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है, जबकि राज ठाकरे ने कहा कि छात्रों का आंदोलन अब व्यापक जनसमर्थन हासिल कर चुका है और सरकार उनकी मांगों को अनदेखा नहीं कर सकती।

राज ठाकरे ने चेतावनी दी कि

शांतिपूर्ण मोर्चे में किसी भी तरह की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोनों नेताओं ने छात्रों और अभिभावकों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की। गौरतलब है कि मई 2026 में कथित नीट पेपर लीक के बाद छात्रों का आंदोलन शुरू हुआ था। हाल ही में संसद मार्च के दौरान पुलिस कार्रवाई के बाद आंदोलन और तेज हो गया। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक मामलों के त्वरित निपटारे के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित करने और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की बात कही है।

बेंगलुरु पीजी में गैस लीक से धमाका, आठ मजदूर घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के बोम्मसंद्रा इलाके में गुरुवार सुबह एक पेइंग गेस्ट (पीजी) में गैस लीक के बाद जोरदार धमाका हो गया। हादसे में वहां रह रहे पश्चिम बंगाल के 8 मजदूर झुलस गए। धमाके के बाद कमरे में आग फैल गई, जिससे इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

यह घटना हेब्बागोडी थाना क्षेत्र के आनेकल तालुका स्थित श्री साई कम्फर्ट पीजी में हुई। बताया जा रहा है कि हादसा इमारत की दूसरी मंजिल पर बने एक कमरे में हुआ। शुरुआती जांच में आशंका जताई गई है कि रात के समय कमरे में गैस का रिसाव हुआ था। सुबह एक कर्मचारी ने जैसे ही लाइट का स्विच ऑन किया, चिंगारी के कारण गैस में आग लग गई और तेज धमाका हो गया। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस व दमकल विभाग

पीजी संचालक और मालिक पर दर्ज हुआ केस

को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम ने पहुंचकर आग पर काबू पाया और कमरे में फंसे लोगों को बाहर निकाला। सभी घायल मजदूरों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस जांच में सामने आया है कि हादसे का शिकार हुए सभी मजदूर पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं और काम के सिलसिले में बेंगलुरु में रह रहे थे।

हादसे के बाद पुलिस ने पीजी मालिक नागराज रेड्डी और इसे लीज पर लेकर चलाने वाले संचालक लिंगराजू के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज किया है। पुलिस और फोरेंसिक टीम घटना की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि गैस लीक के वास्तविक कारण और सुरक्षा में हुई चूक का पता लगाया जा रहा है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बीएमसी कैंटीन में छाछ में मिली मक्खी, एफडीए ने की सील

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई स्थित बृहन्मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय की कैंटीन में खाद्य सुरक्षा को लेकर बड़ी लापरवाही सामने आई है। छाछ के गिलास में मक्खी मिलने की शिकायत के बाद महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने कैंटीन को तत्काल बंद कर सील करने का आदेश दिया है।

शिकायत मिलने के बाद टीम ने कैंटीन का करीब पांच घंटे तक निरीक्षण किया। जांच के दौरान साफ-सफाई में कमी और खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पाए गए। इसके बाद कैंटीन संचालक कमल कैटरर्स को कारोबार बंद करने का नोटिस जारी किया गया।

वहीं, बीएमसी के स्वास्थ्य और श्रम विभाग ने भी मामले में कार्रवाई करते हुए ठेकेदार पर 50 हजार रुपये

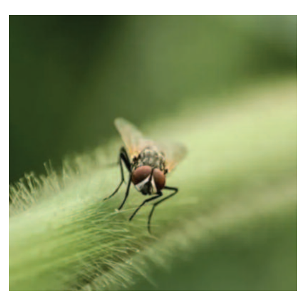

का जुर्माना लगाया है। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई महाराष्ट्र में चलाए जा रहे खाद्य सुरक्षा अभियान का हिस्सा है।

एफडीए इससे पहले भी मुंबई और राज्य के अन्य हिस्सों में कई खाद्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई कर चुका है। विभाग का कहना है कि खाद्य गुणवत्ता और लोगों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मेट्रो स्टेशन बंद होने पर सीजेआई सूर्यकांत सख्त

बोले-समाधान नहीं हुआ तो करेंगे हस्तक्षेप

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन के बीच सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन समेत कई स्टेशनों के बंद होने का मामला गुरुवार को शीर्ष अदालत पहुंच गया। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास सिंह ने सीजेआई सूर्यकांत के सामने वकीलों, पक्षकारों और अदालत कर्मचारियों को वैध पास के आधार पर मेट्रो स्टेशन इस्तेमाल करने की अनुमति देने की मांग रखी। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट प्रशासन पहले ही इस मुद्दे को दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के सामने उठा चुका है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यदि दोपहर तक कोई समाधान नहीं निकलता है तो वह खुद मामले में हस्तक्षेप करेंगे। दरअसल, सुरक्षा कारणों और प्रदर्शन को देखते हुए डीएमआरसी ने राजीव चौक, केंद्रीय सचिवालय और सुप्रीम कोर्ट समेत 16 मेट्रो स्टेशनों को सुबह 7:30 बजे से अगले आदेश तक बंद कर दिया था। इससे यात्रियों और अदालत आने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

सर्विस रोड पर मरम्मत की खुली पोल, बारिश में उखड़े सड़क के पैबंद

वर्षा की वजह से कई किमी. में हाइवे का सर्विस रोड हुआ जर्जर

जलभराव और गड्ढों की वजह से वाहन निकलने में आ रही दिक्कत

जयगुरुदेव मंदिर के सामने सर्विस रोड पर दिखाई दे रहे गड्ढे।

यूनिक समय, मथुरा। वर्षा की वजह से हुए जलभराव ने हाइवे के सर्विस रोड पर लगाए गए पैबंद खोल दिए हैं। सड़क के गड्ढों में भरे गए माल के बाहर आने से अब फिर से और बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जलभराव के बीच सर्विस रोड से निकलते समय वाहन भी अब हिचकोले खाते हुए आगे बढ़ रहे हैं। गुरुवार को बजरंग धर्मकांटा अंडरपास के समीप सर्विस रोड पर भरे पानी से निकलते समय एक बाइक सवार गिर गया, जिसे टेंपो चालक ने सहारा दिया। यह समस्या नवादा से मंडी के अंडरपास के आसपास तक अधिक है।

वर्षा ने राष्ट्रीय राजमार्ग की सर्विस रोड पर कराई गई मरम्मत की पोल खोल दी है। सड़क के गड्ढों को भरने के लिए लगाए गए पैबंद पानी के बहाव और जलभराव के कारण उखड़ गए हैं। इसके चलते कई स्थानों पर पहले से भी बड़े और गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिससे वाहन चालकों का सफर जोखिम भरा हो गया है। सबसे अधिक परेशानी नवादा से मंडी अंडरपास के बीच देखने को मिल रही है। बजरंग धर्मकांटा अंडरपास के समीप सर्विस रोड पर बारिश का पानी भर जाने से गड्ढे दिखाई नहीं देते। ऐसे में दोपहिया वाहन चालक संतुलन खो रहे हैं और दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। गुरुवार को इसी स्थान पर पानी से भरे गड्ढों में बाइक का पहिया फंसने से एक युवक गिर पड़ा। मौके पर मौजूद एक टेंपो चालक ने तुरंत मदद कर उसे सुरक्षित बाहर निकाला, जिससे बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि हल्की बारिश के बाद भी इस मार्ग पर जलभराव हो जाता है। सड़क की मरम्मत केवल औपचारिकता बनकर रह गई है, क्योंकि हर बारिश के साथ पैबंद उखड़ जाते हैं और गड्ढे फिर से उभर आते हैं। इससे रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले हजारों वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

पुलिस मेले में, अंडरपास के वाहन फंसे जाम में

बजरंग धर्मकांटा चौराहे पर ट्रकों ने लगाया जाम

करीब 20 मिनट तक वाहनों में मची चिल्ल- पों

गुरुवार को बजरंग धर्मकांटा अंडरपास के नीचे ट्रकों के फंसने की वजह से लगा जाम।

यूनिक समय, मथुरा। यातायात पुलिस इन दिनों मुड़िया मेला के इंतजाम संभालने गोवर्धन चली गई हैं, ऐसे में शहर के कई चौराहे बेहसहारा हो गए। गुरुवार को हाइवे स्थित बजरंग चौराहा अंडरपास पर ट्रकों के फंसने से जाम लग गया। करीब 20 मिनट तक वाहनों की चिल्ल- पों होती रही। वाहन चालकों ने ही एक- दूसरे को राह देकर जाम को खुलवाया, इसके बाद यातायात सुचारु हो सका। इस दौरान चौराहे पर एक भी यातायात कर्मी नहीं दिखा। पूर्णिमा मेले में यातायात व्यवस्था संभालने के लिए बड़ी संख्या में यातायात पुलिस की ड्यूटी गोवर्धन क्षेत्र में लगाए जाने का असर अब शहर की सड़कों पर दिखाई देने लगा है। आज दोपहर करीब 12:30 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित बजरंग धर्मकांटा चौराहा अंडरपास पर ट्रकों के फंस जाने से अचानक लंबा जाम लग गया। करीब 20 मिनट तक दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं और सड़क पर अफरा–तफरी का माहौल बना रहा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अंडरपास से एक साथ भारी वाहन निकलने की कोशिश में दो ट्रक आमने–सामने फंस गए। इससे पीछे चल रहे छोटे–बड़े वाहन भी रुक गए और देखते ही देखते जाम कई सौ मीटर तक फैल गया। लगातार बजते हॉर्न और आगे निकलने की होड़ के कारण पूरे क्षेत्र में शोर–शराबा मच गया। कार, बस, ऑटो, ई–रिक्शा और दोपहिया वाहन चालक काफी देर तक जाम में फंसे रहे।

इस दौरान चौराहे पर यातायात पुलिस का कोई भी जवान मौजूद नहीं था। ऐसे में वाहन चालकों और स्थानीय लोगों ने स्वयं आगे आकर एक–एक वाहन को निकलवाने का प्रयास किया। लोगों ने आपसी समन्वय से ट्रकों को पीछे कराया और धीरे–धीरे यातायात को सामान्य कराया। लगभग 20 मिनट की मशक्कत के बाद जाम खुल सका और वाहनों की आवाजाही फिर से शुरू हुई।

मूल विद्यालय वापसी में देरी पर शिक्षामित्रों में रोष

यूनिक समय, मथुरा। आदर्श शिक्षक शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन की जिला स्तरीय बैठक गुरुवार को डैंपियर नगर स्थित भगत सिंह पार्क में हुई। अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष दुष्यंत सारस्वत ने कहा कि शिक्षामित्रों की मूल विद्यालय वापसी में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए शीघ्र ही इस समस्या के समाधान की मांग की है। जिला महामंत्री साजिद अहमद ने बताया कि शासन के तीन जनवरी 2025 के आदेश के अनुसार शिक्षामित्रों की मूल विद्यालय में वापसी और महिला शिक्षामित्रों को उनके पति के निवास के निकट विद्यालय में समायोजित किए जाने को कहा था, लेकिन अभी तक नहीं हो पाया है। जिला कोषाध्यक्ष राधाकांत कटारा ने कहा कि शिक्षामित्र पूरी निष्ठा और गुणवत्ता के साथ प्राथमिक विद्यालयों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। बैठक में संजीव चौधरी, नवीन शर्मा, वीरेंद्र सिंह, ओमवीर सिंह, राजकुमार चौधरी, वकील अहमद, प्रीति चौधरी, बीना वर्मा, पूनम शर्मा, प्रेमलता, हुकम सिंह, पुष्पेंद्र सिंह सहित अन्य शिक्षामित्र उपस्थित रहे।

सांसद हेमा मालिनी ने रेल मंत्री को लिखा पत्र

मथुरा से वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने की मांग

यूनिक समय, मथुरा। सांसद हेमा मालिनी ने केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर आगरा कैंट-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 20175/20176) का संचालन मथुरा जंक्शन से किए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मथुरा–जंक्शन से प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री, श्रद्धालु और अधिवक्ता प्रयागराज सहित पूर्वी उत्तर प्रदेश की यात्रा करते हैं। ऐसे में यात्रियों की सुविधा को देखते हुए इस ट्रेन का विस्तार मथुरा तक किए जाने की जरूरत है। सांसद हेमा मालिनी ने अपने पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि वर्तमान में वंदे भारत एक्सप्रेस आगरा कैंट से प्रयागराज होते हुए वाराणसी तक चलाई जाती है। यदि इस ट्रेन का संचालन मथुरा जंक्शन से किया जाता है तो मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को सुविधाजनक रेल सेवा का लाभ मिलेगा। इससे धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चौधरी राघवेन्द्र सिंह एडवोकेट का एक पत्र भी उन्हें प्राप्त हुआ है।

प्रधानों ने विकास कार्यों की स्वीकृति प्रक्रिया पर उठाए सवाल

मांगों को लेकर ज्ञापन देते प्रधान।

यूनिक समय, मथुरा। ग्राम प्रधानों ने पंचायतों में विकास कार्यों की स्वीकृति और भुगतान प्रक्रिया को लेकर प्रशासन से स्पष्ट दिशा–निर्देश जारी करने की मांग की है। उनका कहना है कि सचिवों द्वारा बताया जा रहा है कि छोटे से छोटे विकास कार्यों के भुगतान के लिए भी जिलाधिकारी की स्वीकृति अनिवार्य है, जिससे कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

प्रधानों ने यह भी आरोप लगाया कि विद्यालयों में टेबलों के भुगतान बिना जीएसटी बिल के किए जा रहे हैं। साथ ही एक लाख रुपये से अधिक के कुछ भुगतान बिना निविदा (टेंडर) प्रक्रिया अपनाए किए जाने की बात भी उठाई गई।

भुगतान और अनुमोदन व्यवस्था स्पष्ट करने की उठाई मांग

उनका कहना है कि ऐसे भुगतान किसी फर्म के बजाय सीधे बढ़ई (कारपेंटर) के नाम से किए जा रहे हैं।

प्रधानों ने प्रशासन से मांग की है कि स्पष्ट किया जाए कि ग्राम प्रधान किन–किन विकास कार्यों को बिना पूर्व स्वीकृति के करा सकते हैं, ताकि पंचायतों में विकास कार्य समय पर और सुचारु रूप से संचालित हो सकें। इस दौरान हरेंद्र सिंह, मुकेश कुमार, राहुल सिंह, जयप्रकाश, ओमवीर सिंह, देवेन्द्र सिंह, हेमलता देवी आदि प्रधान मौजूद रहे।

राजकीय संग्रहालय में चंद्रशेखर आजाद को किया नमन

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर दीप प्रज्वलित करते संग्रहालय के उप निदेशक योगेश कुमार, सहायक निदेशक डॉ. प्रतिभा द्विवेदी । शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते संत और नागरिक।

यूनिक समय, मथुरा। महान क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर गुरुवार को राजकीय संग्रहालय में चंद्रशेखर आज़ाद का स्वतंत्रता संग्राम में योगदान विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित हुआ। कार्यक्रम में आजाद के साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम को याद करते हुए युवाओं से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया गया।

शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन करके संग्रहालय के उप निदेशक योगेश कुमार ने किया। मुख्य वक्ता डॉ. श्याम सुंदर ठेनुआ ने चंद्रशेखर आजाद के जीवन और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान पर कहा कि आजाद उन महान क्रांतिकारियों में थे, जिन्होंने अपने अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और राष्ट्रभक्ति के बल पर अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी। संग्रहालय के उप निदेशक योगेश कुमार, पूर्व सहायक निदेशक गिर्राज प्रसाद, अमरनाथ विद्या आश्रम की मांडवी राठौर और शिल्पी चौधरी ने भी आज़ाद के प्रेरणादायी व्यक्तित्व और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण पर विचार व्यक्त किए। राजकीय संग्रहालय की सहायक निदेशक डॉ. प्रतिभा द्विवेदी ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संग्रहालय केवल पुरातात्विक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण का केंद्र ही नहीं, बल्कि इतिहास, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को जन–जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है। इस अवसर पर प्रशांत श्रीवास्तव, मनीष कुमार, अनितेश वार्ष्णेय, रचना, ज्योति कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

वहीं वृंदावन अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में अमर शहीद पंडित चंद्रशेखर आजाद की जयंती अन्नपूर्णा मंदिर परिसर में महामंडलेश्वर डॉ. आदित्यानंद के सानिध्य में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। शुभारंभ डॉ. आदित्यानंद, ब्रज प्रदेश अध्यक्ष पं. बिहारी लाल वशिष्ठ, ब्रज प्रदेश महामंत्री पं. राजेश पाठक और महंत बाबा रामदास ने चंद्रशेखर आजाद के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित करके किया।

महामंडलेश्वर डॉ. आदित्यानंद ने कहा कि अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। ब्रज प्रदेश अध्यक्ष पं. बिहारी लाल वशिष्ठ ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद लोकतंत्र मजबूत हुआ ।

महंत बाबा रामदास, ब्रज प्रदेश महामंत्री पं. राजेश पाठक और पं. बृजेश गिरी ने कहा कि आज आवश्यकता है कुसंगति छोड़कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

वामन भगवान जन्म महोत्सव समिति के अध्यक्ष पं. गोविंद शर्मा और पं. अनिल कृष्ण शास्त्री ने कहा कि देश का भविष्य युवा और छात्र हैं। विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान कर उनका भविष्य सुरक्षित करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। संचालन बालो पंडित ने किया। इस अवसर पर संजय शर्मा, रामबाबू शर्मा, राज नारायण गौड़, राजीव शर्मा, श्रीहरि सुरेशाचार्य, रमेश चंद्र गौतम, मस्तराम, कन्हैया मिश्रा, करण कृष्ण गोस्वामी, पुनीत कुमार शर्मा, आचार्य गोपाल मिश्रा, राकेश गौड़, आशीष चतुर्वेदी, कैलाश शर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पुलिस ने महिला को खोया बैग बरामद कर लौटाया

यूनिक समय, मथुरा। मध्य प्रदेश से वृंदावन दर्शन करने के लिए आई महिला का भूतेश्वर मंदिर में बैग छूट गया। बैग के गुम होने पर महिला चौकी कृष्णानगर पहुंची और पुलिस को बताया।

महिला ने चौकी प्रभारी कृष्णनगर को बताया कि बैग में उसका मोबाइल, कीमती सामान, कपड़े और नकदी आदि है। इस पर तुरंत चौकी प्रभारी ने टीम के साथ महिला के बैग को तलाश करने के लिए मंदिर और आस–पास के सीसी टीवी केमरों की फुटेज खंगाली और काफी प्रयास के बाद महिला का बैग बरामद कर लिया। पुलिस ने बरामद बैग को महिला को सौंप दिया। महिला ने अपना गुम हुआ बैग मिलने पर पुलिस कर्मियों की प्रशंसा की।